@saahassamachar @saahassamachar @saahassamachar

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

साहस समाचार

निष्पक्ष, निर्भीक, बेबाक

महबूब खान के पास बेमन से स्क्रीन टेस्ट को गई थीं नरगिस

... पेज-8

नई दिल्ली, सोमवार, 1 जून 2026, वर्ष-1, अंक-196, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

RNI No-DLHIN/25/A2841

www.saahassamachar.in

आरसीबी ने लगातार दूसरी बार जीता आईपीएल का खिताब

अहमदाबाद, एजेंसी।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 का खिताब जीत लिया है। आरसीबी ने फाइनल में गुजरात टाइटंस (जीटी) को 5 विकेट से हराकर खिताब जीता। विराट कोहली ने नाबाद 75 रन की पारी खेलकर आरसीबी को चैंपियन बनाने में बड़ी भूमिका निभाई। विराट ने छक्का लगाकर टीम को चैंपियन बनाया। 17 साल तक आईपीएल खिताब का इंतजार करने वाली आरसीबी का यह लगातार दूसरा खिताब है। आरसीबी ने पंजाब किंग्स को हराकर आईपीएल 2025 का खिताब जीता था। दोनों मौकों पर रजत पाटीदार ही टीम के कप्तान रहे।

आरसीबी को आईपीएल 2026 का चैंपियन बनने के लिए जीटी ने 156 रन का लक्ष्य दिया था।

वेंकटेश अय्यर और विराट कोहली ने आरसीबी को तेज शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 4.3 ओवर में 62 रन की साझेदारी की।

अय्यर 16 गेंदों पर 2 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 32 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद देवदत्त पड्डिकल (1), कप्तान रजत पाटीदार (15) और क्रुणाल पांड्या (1) का विकेट जल्दी-जल्दी गिरा।

62 पर 1 विकेट वाली आरसीबी ने 89 पर 3 विकेट गंवा दिए थे।

विराट कोहली एक छोर पर डटे रहे। चौथे विकेट के लिए कोहली ने टिम डेविड के साथ 41 रन की अहम साझेदारी की। डेविड 17 गेंदों पर 24 रन की अहम पारी खेलकर आउट हुए। विराट कोहली अब भी क्रीज पर मौजूद रहे। 25 गेंदों पर विराट ने अपना अर्धशतक पूरा किया। यह विराट का आईपीएल में सबसे तेज अर्धशतक था।

विराट ने 42 गेंदों पर 3 छक्कों और 9 चौकों की मदद से नाबाद 75 रन की पारी खेलकर आरसीबी को 5 विकेट से जीत दिलाने और लगातार दूसरी बार चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई।

कोहली ने 18वें वें ओवर की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर आरसीबी को चैंपियन बनाया। कोहली के साथ जितेश शर्मा 14 गेंदों पर 11 रन बनाकर नाबाद रहे। आरसीबी ने 18 ओवर में 5 विकेट पर 161 रन बनाकर खिताब जीता।

इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात टाइटंस (जीटी) 8 विकेट पर 155 रन बना सकी थी।

पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले गुजरात सलामी बल्लेबाज कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन इस अहम मैच में फ्लॉप रहे। सुदर्शन 12 और गिल 10 रन बनाकर आउट हुए।

जीटी की तरफ से वाशिंगटन सुंदर एकमात्र सफल बल्लेबाज रहे। सुंदर ने 37 गेंदों पर नाबाद 50 रन की पारी खेली। इसके अलावा, निशांत सिंधु 20, जोस बटलर 19, और अरशद खान 15 रन बनाकर आउट हुए।

आरसीबी गेंदबाजों ने बेहतरीन और कसी हुई गेंदबाजी की और जीटी के बल्लेबाजों को कभी खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। रसिख सलाम डार ने 4 ओवर में 27 रन देकर सर्वाधिक 3 विकेट लिए।

जोश हेजलवुड ने 4 ओवर में 37 रन देकर 2, भुवनेश्वर कुमार ने 4 ओवर में 29 रन देकर 2, और क्रुणाल पांड्या ने 4 ओवर में 23 रन देकर 1 विकेट लिए थे।

सार समाचार

अमेरिका-भारत के प्रतिनिधि अंतरिम व्यापार समझौते के लिए आज करेंगे बैठक

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच सोमवार से चार दिवसीय उच्च स्तरीय वार्ता शुरू होने जा रही है, जिसमें दोनों देशों के मुख्य वार्ताकार एक बहुप्रतीक्षित अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देंगे। इस वार्ता में अमेरिकी टीम का नेतृत्व मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच करेंगे, जबकि भारतीय दल की अगुवाई वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव और मुख्य वार्ताकार दर्पण जैन करेंगे। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों का उद्देश्य अंतरिम समझौते के विवरण को अंतिम रूप देना और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत बाजार पहुंच, गैर-शुल्क उपाय, सीमा शुल्क एवं व्यापार सुविधा, निवेश प्रोत्साहन और आर्थिक सुरक्षा समन्वय जैसे कई क्षेत्रों में बातचीत को आगे बढ़ाना है। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने 'भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान' (आईआईटी) दिल्ली में आयोजित 'यूएस-इंडिया ट्रस्ट इनिशिएटिव' कार्यक्रम के दौरान कहा कि दोनों देश इस ऐतिहासिक समझौते को संपन्न करने के आखिरी चरण में हैं और अगले कुछ हफ्तों या महीनों के भीतर इस पर हस्ताक्षर होने की पूरी उम्मीद है। राजदूत ने बताया कि द्विपक्षीय बातचीत अब अपने अंतिम 'एक प्रतिशत' वाले दौर में पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा, पिछले हफ्ते ही भारत ने व्यापार समझौते के आखिरी एक प्रतिशत हिस्से को अंतिम रूप देने के लिए वाशिंगटन डीसी में एक टीम भेजी थी। अब सोमवार से शुरू हो रही वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए हम यहां अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करेंगे।

डी के शिवकुमार होंगे देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्री

बेंगलुरु,एजेंसी। कांग्रेस के दिग्गज नेता डी.के. शिवकुमार तीन जून को कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। इस पदभार को संभालने के साथ ही वह भारत के सबसे अमीर मुख्यमंत्री भी बन जाएंगे।

साल 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग को दिए गए हलफनामे के अनुसार, शिवकुमार ने 1,413 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की थी। इस आंकड़े के साथ उन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू को पीछे छोड़ दिया है, जिनकी घोषित संपत्ति करीब 931 करोड़ रुपये है। शिवकुमार की इस विशाल संपत्ति में 14 करोड़ रुपये से अधिक के बैंक डिपॉजिट, लगभग 1,140 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और करीब 273 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति शामिल है।

ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम एवं मणिपुर में एसआईआर शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी।

चुनाव आयोग ने ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तीसरे चरण के तहत गणना चरण शुरू कर दिया है। आयोग की रविवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि इन चार राज्यों में यह अभियान 30 मई से शुरू हो चुका है। जिन पात्र मतदाताओं के फॉर्म 28 जून या उससे पहले अधिकारी के पास जमा हो जाएंगे, उनके नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल किये जाएंगे। जो लोग इस तारीख तक फॉर्म जमा नहीं कर पाएंगे, वे बाद में दावा और आपत्ति अवधि के दौरान 'फॉर्म 6' के जरिए आवेदन कर सकते हैं। अभियान के दौरान बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर फॉर्म उपलब्ध करा रहे हैं। मतदाता इन फॉर्मों को बीएलओ के पास या ऑनलाइन जमा कर सकते हैं।

नये मतदाताओं के लिए बीएलओ अपने साथ खाली फॉर्म-6 और घोषणा पत्र भी रखेंगे। राजनीतिक दलों की भागीदारी बढ़ाने के लिए आयोग ने मान्यता प्राप्त दलों के बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) को जनता से प्रतिदिन अधिकतम 50 फॉर्म एकत्र कर बीएलओ को सौंपने की अनुमति दी है। आयोग के अनुसार, ओडिशा में 3.34 करोड़ से अधिक मतदाताओं के लिए 38,123 बीएलओ और 8,391 बीएलए तैनात हैं। मिजोरम में 8.75 लाख से अधिक मतदाताओं के लिए 1,353 बीएलओ और 3,430 बीएलए काम कर रहे हैं। सिक्किम में 4.71 लाख से अधिक मतदाताओं के लिए 572 बीएलओ और 681 बीएलए हैं, जबकि मणिपुर में 20.92 लाख से अधिक मतदाताओं के लिए 2,996 बीएलओ और 5,003 बीएलए सक्रिय हैं।

तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी पर हुआ हमला

हुगली,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में हुगली में रविवार को एक प्रदर्शन के दौरान तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद कल्याण बनर्जी पर हमला किया गया। इससे बनर्जी सड़क पर ही गिर पड़े हालांकि उनको ज्यादा चोट नहीं आयी। वह अपनी पार्टी के सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले पर नाराजगी जताते हुए विरोध प्रदर्शन करते हुए चंडीतला थाने में एक ज्ञापन सौंपने जा रहे थे। वह नारेबाजी करते हुए आगे बढ़ रहे थे, जैसे ही उनको पुलिस ने रोका तभी किसी ने उनके सिर पर पीछे से वार कर दिया जिससे वे दर्द से कराहते हुए जमीन पर गिर पड़े। इससे पहले शनिवार को टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर उस समय हमला किया जब वे पार्टी समर्थक परिवार से मिलने जा रहे थे। यह हमला दक्षिण 24 परगना जिले में हुआ था। बनर्जी पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है और राज्य सरकार ने उनको एक्स कैटेगरी की सुरक्षा प्रदान करने का फैसला किया है।

लोगों के प्रेरणादायी कार्यों की शक्ति से निरंतर आगे बढ़ रहा है देश: मोदी

कहा, भारत के हर गांव में, हर शहर में, कुछ-न-कुछ ऐसा हो रहा है जो हमें प्रेरणा देता है

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि देश के गांवों और शहरों में ऐसे अनेक प्रेरणादायी कार्य हो रहे हैं जिनसे यह विश्वास मजबूत होता है कि देश लोगों की शक्ति से निरंतर आगे बढ रहा है।

मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेड़ियो कार्यक्रम ' मन की बात' की 134 वीं कड़ी में इसी तरह के अनेक प्रेरणादायी कार्यों का उल्लेख करते हुए लोगों से इनकी सराहना करने तथा इनसे जुड़ने की अपील की है। उन्होंने कहा, भारत के हर गाँव में, हर शहर में, कुछ-न-कुछ ऐसा हो रहा है जो हमें प्रेरणा देता है। कई बार, इन प्रयासों की ज्यादा चर्चा नहीं होती, लेकिन जब हम इन्हें जानते हैं, तो ये विश्वास और मजबूत होता है, कि देश, अपने लोगों की शक्ति से आगे बढ़ रहा है। मेरा आपसे आग्रह है, अपने आसपास ऐसे प्रयासों को जरूर देखिए। जो लोग समाज के लिए अच्छा काम कर रहें हैं, उन्हें पहचानिए, उनकी सराहना कीजिए, उनसे सीखिए, और हो सके तो खुद भी किसी अच्छे काम से जुड़िए। मोदी ने तमिलनाडु के नागरकोइल में एक शिक्षिका गिरिजा अम्मा के साथ अपनी मुलाकात को साझा करते हुए कहा कि गिरिजा अम्मा जी करीब 15 स्कूल चलाती हैं। इनमें चेन्नई का जयगोपाल गरोडिया हिन्दू विद्यालय बहुत प्रमुख है।

उनकी देशभक्ति की भावना हर भारतवासी को प्रेरित करने वाली है। उन्होंने 'मन की बात' से प्रेरणा लेकर देश के अनेक सैनिकों के लिए योगदान का संकल्प लिया। इसके लिए उन्होंने अपने सभी स्कूलों के को प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे वीर जवानों के लिए हर दिन एक रुपया योगदान दें। यानी एक साल में हर छात्र की ओर से 365 रुपये जमा हुए। इस छोटे-छोटे योगदान से करीब 40 लाख रुपये इकट्ठा हुए।

प्रधानमंत्री ने कहा,गिरिजा अम्मा जी ने इस पूरी राशि का चेक मुझे सौंपा। उनसे बातचीत के दौरान मैंने महसूस किया कि माँ भारती के प्रति उनका समर्पण कितना गहरा है। पिछले वर्ष ही चेन्नई के पहले हिन्दू विद्यालय ने अपने 50 वर्ष पूरे किए हैं। देश की शिक्षा और सांस्कृतिक गौरव को आगे बढ़ाने में इस स्कूल नेटवर्क की भूमिका बहुत प्रशंसनीय है। उन्होंने केरलम के आलुवा में, साजी वलाशेरिल द्वारा चलाये जा रहे निशुल्क स्वीमिंग क्लब का भी उल्लेख किया और कहा कि यहां अब तक 15 हजार से ज्यादा लोग यहाँ तैरना सीख चुके हैं । विशेष बात यह है कि श्री साजी जी ने दिव्यांग बच्चों को भी तैराकी सिखाई है।

प्रधानमंत्री ने कहा, साजी वलाशेरिल जी का जीवन, हमें एक बहुत बड़ी सीख देता है। सेवा करने के लिए बहुत बड़े साधन जरूरी नहीं होते – जरूरी होता है, एक अच्छा इरादा और लगातार किया गया प्रयास। इन्हीं के दम पर, हजारों लोगों के जीवन में बदलाव लाया जा सकता है। मोदी ने उत्तर प्रदेश में गंगा डोल्फिन को बचाने की कोशिश से जुड़े एक चर्चित वीडियो का भी अपने कार्यक्रम में जिक्र किया और कहा कि करीब 13 घंटे चले अभियान के बाद आखिरकार वह डोल्फिन बच गई।

उन्होंने कहा कि इस अभियान में भारत की पहली गंगा डोल्फिन बचाव एम्बुलेंस की भूमिका का उल्लेख किया। इस डोल्फिन को ठीक होने के बाद एक बार फिर राप्ती नदी में छोड़ा गया।

उन्होंने उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले की भी इसी तरह की प्रेरक गाथा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, बस्ती के आकाश गुप्ता अपने गाँव की मनोरमा नदी को देखकर बहुत दुखी होते थे। क्योंकि जिस नदी को उन्होंने बचपन में साफ और जीवंत देखा था। समय के साथ उस नदी में प्लास्टिक जमा होने लगा था। गंदगी बढ़ती चली जा रही थी। श्रीमान आकाश ने तय किया कि शिकायत नहीं करेंगे, एक नई शुरुआत करेंगे।

शिकायत नहीं, शुरुआत मंत्र बन गया। उन्होंने अपने दोस्तों को साथ लिया। सिर्फ जाल था, फावड़ा था, टोकरी थी और सबसे बड़ी ताकत थी, कुछ बदलने का संकल्प। ये युवा नदी में उतरते थे, जलकुंभी निकालते थे। प्लास्टिक और कचरा बाहर लाते थे। कई बार एक दिन में 50-60 किलो तक कचरा नदी से निकाला गया। धीरे- धीरे मनोरमा नदी का वह हिस्सा फिर से साफ दिखने लगा। आसपास के लोगों का ध्यान भी इस काम की तरफ गया। लोगों में स्वच्छता को लेकर जागरूकता बढ़ी।

पीएम मोदी ने की 'मन की बात' में आम उत्पादक किसानों की तारीफ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में देशभर के आम उत्पादक किसानों की सराहना करते हुए कहा कि उनके अथक परिश्रम और समर्पण की बदौलत 'फलों का राजा' आम हर साल लाखों परिवारों तक पहुंचता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में गर्मियों का मौसम आते ही आम की चर्चा हर घर में शुरू हो जाती है और शायद ही कोई ऐसा घर होगा, जहां आम को लेकर उत्साह न हो। उन्होंने कहा, हर इलाके का अपना आम, अपना स्वाद और अपनी खुशबू होती है। महाराष्ट्र और कोंकण का हापुस (अल्फांसो), गुजरात का केसर, उत्तर प्रदेश का दशहरी और मेरी काशी का लंगड़ा आम लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। पीएम मोदी ने लंगड़ा आम की खासियत का भी जिक्र करते हुए कहा कि पकने के बाद भी इसका रंग कई बार हरा ही रहता है। उन्होंने बिहार के जर्दालू आम की सुगंध की प्रशंसा करते हुए कहा कि उसकी खुशबू दूर से ही पहचान में आ जाती है। इसके अलावा उन्होंने चौसा और मालदा जैसी प्रसिद्ध किस्मों का भी उल्लेख किया।

अगले तीन-चार दिनों में केरल में दस्तक दे सकता है मानसून

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी।

मौसम विभाग ने केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून आने का संकेत देते हुए बताया कि अगले तीन से चार दिनों के भीतर मानसून केरल के कुछ हिस्सों, लक्षद्वीप और अरब सागर के आस-पास के इलाकों में दस्तक दे सकता है। इसी के साथ विभाग ने 31 मई से दो जून तक केरल के अलग-अलग हिस्सों में सात से 11 सेंटीमीटर तक भारी बारिश की भविष्यवाणी की है, जिसके बाद बारिश की तीव्रता और बढ़ने की संभावना है। इसके बाद तीन जून से छह जून के बीच 24 घंटे की अवधि में 12 से 20 सेंटीमीटर तक भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका को देखते हुए विभाग ने तीन जून को अलाप्पुझा, कोट्टायम, एर्नाकुलम, त्रिशूर और मलप्पुरम जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है।

वहीं, चार जून को यह चेतावनी पत्तनमथिट्टा, अलाप्पुझा, कोट्टायम, एर्नाकुलम, त्रिशूर, मलप्पुरम और कोझिकोड जिलों के लिए प्रभावी रहेगी। इसके अलावा कोट्टायम, एर्नाकुलम, इडुक्की, कोझिकोड, वायनाड और कन्नूर सहित कई जिलों में 31 मई से जून के पहले सप्ताह तक भारी बारिश का 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण-पूर्वी अरब सागर और उससे सटे दक्षिणी केरल के ऊपर बना एक ऊपरी चक्रवाती संचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) तथा दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के ऊपर बना एक अन्य चक्रवाती संचरण इस क्षेत्र में मौसम को प्रभावित कर रहा है, जिससे बारिश की गतिविधियां और तेज होने की उम्मीद है।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि नियमों में यह ढील एक खास वेंडर को फायदा पहुंचाने के लिए दी गई थी

राहुल ने सीबीएसई ओएसएम विवाद पर सरकार को घेरा

नई दिल्ली,एजेंसी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन को लेकर केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि 18.5 लाख बच्चों की उत्तर पुस्तिकाओं को नियमों को ताक पर रखकर मोबाइल फोन से स्कैन किया गया, जिसके कारण बच्चों के अंकों का गलत मूल्यांकन हुआ। गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट में निविदा शर्तों में किए गए बदलावों को सिलसिलेवार तरीके से साझा करते हुए इसे एक बड़ा 'फर्जीवाड़ा' करार दिया है।

कांग्रेस नेता के अनुसार, इस पूरे मामले की शुरुआत निविदा प्रक्रिया से हुई। सीबीएसई ने मई 2025 में जारी किए गए टेंडर में स्पष्ट रूप से यह शर्त रखी गई थी कि उत्तर पुस्तिकाओं को ऑटोमैटिक रोबोटिक स्कैनर्स के जरिए स्कैन किया जाए, उनकी बाइंडिंग (स्पाइन) सुरक्षित रहे और स्कैनिंग कम से कम 300 डीपीआई की गुणवत्ता पर हो। इसके बाद अगस्त में इसी टेंडर को दोबारा जारी किया गया, जिसमें से इन सभी कड़े नियमों को गुपचुप तरीके से हटा दिया गया। इसमें 'रोबोटिक स्कैनर्स' की जगह सामान्य 'स्कैनर्स' शब्द का इस्तेमाल किया गया और स्कैनिंग रेजोल्यूशन को भी 300 डीपीआई से घटाकर 200 डीपीआई कर दिया गया। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि नियमों में यह ढील एक खास वेंडर को फायदा पहुंचाने के लिए दी गई थी। उन्होंने कहा, अब हमें पता चला है कि व्यावहारिक रूप से इसका क्या मतलब था। यह बात सामने आ चुकी है कि 'कोएम्प्ट' नाम की कंपनी ने उत्तर पुस्तिकाओं को स्कैन करने के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया।

गांधी ने कहा कि बच्चों को जो धुंधली कॉपियां मिली हैं, जो पन्ने गायब हैं या जो कॉपियां स्कैन होने से रह गई हैं, वे कोई 'गलतियां' नहीं हैं। यह एक ऐसे अनुबंध का अनुमानित परिणाम है जिसे किसी खास वेंडर के हिसाब से तैयार किया गया था। उन्होंने इसे सीधे तौर पर एक धोखाधड़ी बताया है और कहा कि हर वह बच्चा जिसके अंकों का गलत मूल्यांकन हुआ, वह इस धोखाधड़ी का शिकार है।

कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर व्यंग्य कसते हुए कहा, आज सुबह प्रधानमंत्री के पास आमों पर बात करने का समय था, लेकिन उनके पास उन 18.5 लाख बच्चों के बारे में बात करने का समय नहीं है जिनकी उत्तर पुस्तिकाएं फोन से स्कैन की गईं। गांधी ने सवाल उठाते हुए कहा कि इस बड़े खुलासे के बाद भी धर्मेंद्र प्रधान जी अभी भी अपने पद पर बने हुए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, मोदी जी की यह चुप्पी अब केवल उदासीनता नहीं है, बल्कि यह इस मामले में उनकी मिलीभगत को दर्शाती है।

महाराष्ट्र सरकार ने मराठा आरक्षण की प्रमुख मांगें मानीं

जालना, एजेंसी।

मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे पाटिल ने रविवार सुबह अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दी। महाराष्ट्र सरकार ने मराठा आरक्षण से जुड़ी उनकी सभी मांगों को स्वीकार कर लिया है और उन्हें जल्द से जल्द लागू करने का आश्वासन दिया है। मराठा समुदाय की मांगों के समर्थन में श्री जरांगे ने शनिवार को जालना जिले के अंतरवाली सराटी गांव में भूख हड़ताल शुरू की थी। आंदोलन अभी दूसरे दिन में ही पहुंचा था कि देर रात सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल वहां पहुंच गया और उनके साथ लंबी बातचीत की।

रविवार तड़के करीब एक बजे महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे-पाटिल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने श्री जरांगे से मुलाकात की और लंबित मांगों पर विस्तार से चर्चा की। इस प्रतिनिधिमंडल में विधायक प्रसाद लाड और जालना शहर के भाजपा अध्यक्ष किशोर शितोले भी शामिल थे। बैठक के दौरान सरकारी प्रतिनिधियों ने जरांगे से आंदोलन खत्म करने का आग्रह किया और भरोसा दिलाया कि उनकी हर मांग को पूरा किया जायेगा।

इसके साथ ही राज्य सरकार शिंदे समिति के कार्यकाल को एक साल के लिए बढ़ाने की उनकी मांग पर भी सहमत हो गयी।

मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और उसके अस्पतालों का होगा कायाकल्प

योजना के तहत मेडिकल कॉलेज व अस्पताल परिसरों को नए रूप में विकसित किया जाएगा।

नई दिल्ली,एजेंसी।

मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और इससे जुड़े अस्पतालों का कायाकल्प होगा। आने वाले 30 वर्षों की जरूरत के हिसाब से इनको आधुनिक और अधिक सुविधाओं के साथ तैयार किया जाएगा। पीडब्ल्यूडी ने इस पुनर्विकास योजना का खाका खींचने के लिए सलाहकार नियुक्ति करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। सलाहकार सभी तरह के आकलन करने के बाद इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करेगा।

मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज दिल्ली सरकार के अधीन है। इसकी स्थापना वर्ष 1958 में हुई थी। लोक नायक अस्पताल, जीबी पंत अस्पताल, गुरु नानक नेत्र केंद्र और मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंस इससे जुड़े हुए हैं। इनको मिलाकर 2800 बेड की क्षमता है। इनमें रोज आठ हजार से अधिक मरीज अपना उपचार कराने आते हैं। कायाकल्प कराने की मंजूरी मिल गई है। इस योजना के तहत मेडिकल कॉलेज व अस्पताल परिसरों को नए रूप में विकसित किया जाएगा।

पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने बताया कि इसमें एक लाख वर्ग मीटर का निर्मित क्षेत्र और 70 एकड़ से अधिक का विकास कार्य शामिल होगा।आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के अनुरूप नई इमारतें, बेहतर बुनियादी ढांचा और उन्नत सेवाएं विकसित की जाएंगी। पूरी परियोजना को भवन सुरक्षा मानकों और सभी स्थानीय नियमों के अनुसार तैयार किया जाएगा। परियोजना तीन चरणों में पूरी की जाएगी। पहले चरण में पूरे परिसर का विस्तृत मास्टर प्लान तैयार होगा, जिसमें 30 साल का दीर्घकालिक विजन होगा। दूसरे चरण में मौजूदा इमारतों का स्ट्रक्चरल ऑडिट और तकनीकी मूल्यांकन किया जाएगा। इसके आधार पर नई इमारतों के आधुनिक डिजाइन, लेआउट और पुनर्विकास प्रस्ताव तैयार होंगे। तीसरे चरण में निर्माण कार्य की समयबद्ध शुरुआत सुनिश्चित करने का काम होगा।

दिल्ली सरकार के अस्पतालों में 532 जीडीएमओ होंगे नियुक्त

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली सरकार के अलग-अलग सरकारी अस्पतालों में 500 से अधिक जनरल ड्यूटी चिकित्सा अधिकारियों (जीडीएमओ) की अनुबंध के आधार पर नियुक्ति की जाएगी। इस संबंध में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने केंद्रीकृत समिति का गठन किया है। इसका अध्यक्ष मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. मुनीषा अग्रवाल को बनाया गया है।

सूचना के अनुसार 532 जीडीएमओ की नियुक्ति 24 अस्पतालों सहित स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में होगी। इसके लिए इच्छुक उम्मीदवार 15 जून तक गूगल फॉर्म के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। साक्षात्कार की प्रक्रिया जून के आखिर में शुरू होगी। इसकी सूचना 15 जून के बाद कॉलेज की वेबसाइट पर जारी की जाएगी। भर्ती के लिए अधिकतम आयु सीमा 32 वर्ष निर्धारित की गई है।

दक्षिण दिल्ली में इमारत गिरने के मामले में नगर निगम के दो इंजीनियर निलंबित

नई दिल्ली,एजेंसी।

दक्षिण दिल्ली में साकेत मेट्रो स्टेशन के निकट एक इमारत ढहने की घटना के मामले में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने कार्रवाई करते हुए भवन विभाग के दो अभियंताओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि एमसीडी के दक्षिणी क्षेत्र के उपायुक्त ने भवन विभाग-एक के एक सहायक अभियंता और भवन विभाग-दो के एक कनिष्ठ अभियंता के निलंबन के आदेश जारी किये हैं। जारी आदेश के अनुसार, सैद-उल-अजायब स्थित वेस्टर्न मार्ग पर भवन ढहने की घटना में प्रभावी निगरानी नहीं करने और कथित लापरवाही बरतने के आरोप में सहायक अभियंता को निलंबित किया गया है।

इसी प्रकार, भवन विभाग-दो के कनिष्ठ अभियंता को भी कर्तव्य में लापरवाही और भवन ढहने के मामले में अपने दायित्वों के निर्वहन में शिथिलता बरतने के आरोप में निलंबित किया गया है। इस घटना ने निर्माण गतिविधियों और निर्धारित मानकों के अनुपालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिये हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घटनास्थल का दौरा कर राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण मानकों का उल्लंघन करने वाली तथा अनधिकृत इमारतों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले में जिम्मेदार पाये जाने वाले किसी भी अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा और हर स्तर पर जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने कहा,उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दिल्ली सरकार जनता के साथ खड़ी है और न्याय, जवाबदेही तथा सार्वजनिक सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। स्थानीय लोगों का कहना है कि राजधानी की कई अनधिकृत कॉलोनियों में निजी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता लंबे समय से चिंता का विषय रही है और भवनों की संरचनात्मक मजबूती सुनिश्चित करने वाले मानकों की अक्सर अनदेखी की जाती है।

जून के पहले सप्ताह भी दिल्ली पर मेहरबान रहेगा मौसम

नई दिल्ली,एजेंसी।

राजधानी पर जून के सप्ताह भी मौसम की मेहरबानी बनी रहेगी। मौसम विभाग का अंदाजा है कि इस दौरान तेज धूल भरी आंधी, हल्की बारिश और गरज-चमक जैसी मौसमी घटनाओं का दौर बीच-बीच में आता रहेगा। मौसम विभाग ने सोमवार और मंगलवार के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया है। इस बीच, रविवार को दिल्ली का अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन से छह डिग्री तक कम दर्ज किया गया। झुलसाने वाली गर्मियों के लंबे दौर के बाद पिछले तीन दिनों से दिल्ली में राहत बनी हुई है।

पश्चिमी विक्षोभ के चलते बीच-बीच में तेज धूल भरी आंधी के साथ बौछारें पड़ी हैं। इसके चलते तापमान में खासी गिरावट आई है। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में रविवार सुबह से ही धूप रही जो दिन चढ़ने के साथ ही और तेज हो गई। हालांकि, पिछले दिनों हुई बारिश के चलते हवा में नमी बनी हुई है। बीच-बीच में बादलों की आवाजाही भी बनी रही। इसके चलते तापमान में बहुत तेजी से इजाफा नहीं हुआ है।

दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से 4.2 डिग्री सेल्सियस कम है। न्यूनतम तापमान 23.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 3.6 डिग्री सेल्सियस कम है। मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार और मंगलवार को भी दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में तेज धूल भरी आंधी के साथ हल्की बारिश हो सकती है। इस दौरान हवा की गति 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

मौसम विभाग ने इन दोनों दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। जबकि, बुधवार और गुरुवार को भी तेज हवा के साथ हल्की बूंदाबांदी के आसार बने हुए हैं। मौसम विभाग का अनुमान है कि छह जून तक अधिकतम तापमान 40 डिग्री से नीचे ही रहेगा। मौसम में हुए बदलाव से दिल्ली की रातें फिलहाल सुकून भरी हो गई हैं। इसी महीने 25 मई को दिल्ली के सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 32.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था।

साकेत बिल्डिंग हादसे में केवल जेई-एई का निलंबन पर्याप्त नहीं: अंकुश नारंग

नई दिल्ली,एजेंसी।

दक्षिणी दिल्ली के सैदुलाजाब क्षेत्र में पांच मंजिला इमारत गिरने की घटना को लेकर एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने भाजपा शासित नगर निगम पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि साकेत बिल्डिंग हादसे में केवल जूनियर इंजीनियर (जेई) और असिस्टेंट इंजीनियर (एई) को निलंबित करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि अवैध निर्माण को संरक्षण देने वाले सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

अंकुश नारंग ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि निगम प्रशासन की कथित लापरवाही और अवैध निर्माणों पर समय रहते प्रभावी कार्रवाई न होने का परिणाम है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासित एमसीडी की घोर लापरवाही के कारण साकेत में यह पांच मंजिला इमारत गिरी है।

उनके अनुसार इस मामले में सभी जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और अवैध निर्माणों के खिलाफ व्यापक जांच अभियान चलाया जाना चाहिए। अंकुश नारंग ने सवाल उठाया कि आखिर हर बड़े हादसे के बाद ही एमसीडी प्रशासन क्यों सक्रिय होता है। उन्होंने कहा कि राजधानी में अवैध निर्माण और जर्जर इमारतों की शिकायतें लगातार सामने आती रहती हैं, लेकिन समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए जाते, जिससे लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है।

उन्होंने कहा कि हादसे के बाद संबंधित एई सुरेश सिंह चौहान और जेई अमन जैन को निलंबित कर देना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। नारंग ने मांग की कि इस अवैध निर्माण को संरक्षण देने वाले सभी अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही यदि किसी प्रकार के राजनीतिक संरक्षण की बात सामने आती है तो उस पर भी कार्रवाई होनी चाहिए।

एमसीडी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए अंकुश नारंग ने कहा कि नगर निगम नेतृत्व अपनी नैतिक जिम्मेदारी निभाने में विफल रहा है। इसी आधार पर उन्होंने एमसीडी मेयर से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल अपने पद से इस्तीफा देने की मांग की।

घर में घुसकर मारपीट करने वाले दो गिरफ्तार

रबूपुरा,एजेंसी।

कोतवाली क्षेत्र के पलाका गांव में शुक्रवार की रात घर में घुसकर मारपीट करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गांव पलाका निवासी दीपक का आरोप है की 29 मई की शाम उसका गांव के ही राहुल और दिलबार से दुकान के आगे से तेज रफ्तार डंपर निकाले जाने और दुकान पर उनके साथ अभद्रता किए जाने को लेकर विवाद हो गया था। देर रात राहुल और दिलबार अपने चार-पांच अन्य साथियों के साथ घर में घुस आया और लाठी डंडों से हमला कर उसे घायल कर दिया। उन्हें बचाने आए दो अन्य साथी वहां पर पहुंचे तो उनके साथ भी मारपीट की गई। थाना प्रभारी श्याम बाबू शुक्ला ने बताया कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों राहुल और दिलबार को गिरफ्तार कर लिया।

दाखिले का झांसा देने वालों से सावधान रहें: आईपीयू

नई दिल्ली,एजेंसी।

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय ने आवेदकों को विश्वविद्यालय में दाखिले का झांसा देने वाले धोखेबाजों से सावधान रहने की चेतावनी जारी की है। एक अधिसूचना में विश्वविद्यालय ने कहा कि उसे ऐसे कई उम्मीदवारों की शिकायतें मिली हैं जिनसे कथित धोखेबाजों ने सीधे दाखिले के लिए संपर्क किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि आवेदकों को ऐसे धोखेबाजों से सतर्क रहना चाहिए। विश्वविद्यालय परिसरों और इससे सभी संबद्ध कॉलेजों में दाखिले केन्द्रीकृत काउंसिलिंग प्रक्रिया के माध्यम से और पूरी तरह से उम्मीदवारों की योग्यता के आधार पर किया जाता है।

ये दाखिले ऑनलाइन या ऑफलाइन आयोजित केन्द्रीकृत काउंसिलिंग के माध्यम से पूर्ण पारदर्शी योग्यता आधारित प्रक्रिया द्वारा किए जाते हैं।

हुक्का पीने के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता जरूरी: तनेजा

नई दिल्ली,एजेंसी।

विश्व तंबाकू विरोधी दिवस के अवसर पर प्रसिद्ध ईएनटी रोग विशेषज्ञ डॉ. एम.के. तनेजा ने हुक्का पीने के दुष्प्रभावों को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं के बीच हुक्का पीना फैशन का रूप ले चुका है, जबकि यह स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। डॉ. तनेजा ने बताया कि हुक्का पीने का सबसे पहला असर गले पर पड़ता है। लगातार धुएं के संपर्क में रहने से गले में जलन, खराश और सूजन जैसी समस्याएं उत्पन्न होने लगती हैं।

इसके साथ ही हुक्के का धुआं नाक की अंदरूनी झिल्ली को प्रभावित करता है, जिससे एलर्जी, साइनस और नाक बंद होने जैसी परेशानियां हो सकती हैं। कई लोगों को सांस लेने में कठिनाई होने लगती है और धुएं के कारण सूंघने की क्षमता भी प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि हुक्का का अप्रत्यक्ष प्रभाव कानों पर भी पड़ता है। गले और नाक में संक्रमण होने पर उसका असर कानों तक पहुंच सकता है, जिससे कान में दर्द, भारीपन और सुनने में परेशानी होने लगती है।

यह समस्या विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों में अधिक देखने को मिलती है तथा वृद्धावस्था में होने वाले बहरेपन को भी बढ़ा सकती है। डॉ. तनेजा ने बताया कि मधुमेह के रोगियों के लिए हुक्का विशेष रूप से अधिक नुकसानदायक साबित हो सकता है। डॉ. एम.के. तनेजा ने कहा कि हुक्का पीने से मुंह और दांतों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इससे दांत पीले पड़ जाते हैं, मसूड़ों में सूजन आ जाती है और मुंह से दुर्गंध आने लगती है।

उन्होंने समाज में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि हुक्का किसी भी रूप में सुरक्षित नहीं है।

दिल्ली-गुरुग्राम के बीच सुधरेगा सड़क संपर्क

गुरुग्राम,एजेंसी।

दिल्ली और गुरुग्राम के बीच सड़क संपर्क को और मजबूत बनाने की दिशा में नजफगढ़ रोड लिंक परियोजना को गति देने के प्रयास तेज हो गए हैं। परियोजना के पूरा होने पर द्वारका, नजफगढ़ और आसपास के क्षेत्रों से गुरुग्राम आने-जाने वाले हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही यात्रियों को एक वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होने से दिल्ली-गुरुग्राम के प्रमुख मार्गों पर यातायात दबाव कम होने की उम्मीद है। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) इस परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ा रहा है।

इसी कड़ी में जीएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने छह मई को दिल्ली सरकार के शहरी विकास विभाग के सचिव एवं स्थानीय निकाय निदेशक विजय कुमार बिदुरी को पत्र लिखकर परियोजना पर शीघ्र निर्णय और आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया था। इसके बाद 18 मई को एनसीआर प्लानिंग एंड मॉनिटरिंग सेल ने जानकारी दी कि परियोजना के वित्तीय प्रावधानों और क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के साथ चर्चा जारी है। विभागीय स्तर पर सहमति बनने के बाद आगे की प्रक्रिया को गति दी जाएगी।

परियोजना को गुरुग्राम में अमलीजामा पहनाने के लिए जीएमडीए के जीआईएस विंग ने विस्तृत साइट प्लान तैयार किया है। प्रस्तावित मार्ग में लगभग 330 मीटर, 585 मीटर और 1280 मीटर लंबाई की तीन सड़कें शामिल हैं। इस प्लान को प्रस्ताव का हिस्सा बनाकर प्रशासनिक और तकनीकी मंजूरियों की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। अधिकारियों का मानना है कि पूरे मार्ग को जीएमडीए के अधिकार क्षेत्र में शामिल किए जाने से दिल्ली की ओर से गुरुग्राम तक निर्बाध और बेहतर सड़क संपर्क स्थापित किया जा सकेगा। इससे न केवल यात्रियों का सफर आसान होगा, बल्कि क्षेत्र के समग्र यातायात प्रबंधन को भी मजबूती मिलेगी।

नजफगढ़ रोड लिंक परियोजना के साथ-साथ न्यू गुरुग्राम की आंतरिक सड़क कनेक्टिविटी को भी मजबूत किया जा रहा है। सेक्टर-110ए की 18 मीटर चौड़ी सड़क को मौजूदा बाजघेड़ा रोड से जोड़ने की योजना तैयार की जा रही है। यह जंक्शन न्यू पालम विहार से बाजघेड़ा की ओर जाने वाले अंडरपास के प्रवेश द्वार से पहले विकसित होगा, जिससे स्थानीय यातायात को बेहतर विकल्प मिलेगा। इसके अलावा सेक्टर-112/114 और 114/115 के बीच स्थित महत्वपूर्ण टी-जंक्शन के सुधार की भी योजना बनाई जा रही है। इसके पूरा होने से बाजघेड़ा रोड के माध्यम से सेक्टर-112, 114 और 115 की कनेक्टिविटी मजबूत होगी तथा निवासियों और दैनिक यात्रियों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी।

जलभराव रोकने में सरकार विफल: भीष्म शर्मा

नई दिल्ली,एजेंसी।

दिल्ली में मानसून से पहले जलभराव की आशंका को लेकर घोंडा विधानसभा से पूर्व विधायक श्री भीष्म शर्मा ने भाजपा सरकार पर तैयारी में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राजधानी में मानसून नजदीक है, लेकिन जलभराव से निपटने के लिए अब तक प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं। भीष्म शर्मा ने कहा कि दिल्ली में हर वर्ष मानसून के दौरान जलभराव की समस्या गंभीर रूप लेती है, जिसका मुख्य कारण नालों की समय पर सफाई नहीं होना है।

उनका आरोप है कि लोक निर्माण विभाग और नगर निगम के नालों की अभी तक समुचित सफाई नहीं की गई है, जिससे आने वाले दिनों में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते आवश्यक व्यवस्थाएं नहीं की गईं तो वर्षा के दौरान राजधानी के विभिन्न हिस्सों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उनके अनुसार ऐसी स्थिति बनने पर सरकार आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति में उलझ जाती है, जबकि जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

शर्मा ने दावा किया कि उन्होंने स्वयं कई स्थानों पर नालों की स्थिति देखी है, जहां सफाई कार्य अधूरा दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि एक दिन की तेज वर्षा भी हालात को गंभीर बना सकती है और इससे दुर्घटनाओं की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। पूर्व विधायक ने सवाल उठाया कि यदि मानसून के दौरान जलभराव और उससे जुड़े हादसे सामने आते हैं तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र, दिल्ली सरकार और नगर निगम में एक ही दल की सरकार होने के कारण अब जवाबदेही तय होना आवश्यक है।

जिम में आग लगने पर 15 लोगों को सुरक्षित निकाला

ग्रेटर नोएडा,एजेंसी।

जेवर कस्बे में रविवार की सुबह एक जिम में अचानक आग लग गई। इससे पूरे परिसर में धुआं फैल गया। व्यायाम कर रहे लोग अंदर फंस गए। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने अंदर फंसे 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। जिले के मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि जेवर कोतवाली के ठीक सामने एक बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर प्रवीण चौधरी की जिम है। रविवार की सुबह करीब 6:30 बजे जिम में अचानक आग लग गई। घटना के समय यहां करीब 15 लोग व्यायाम कर रहे थे।

अचानक धुआं उठता दिखाई दिया और कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इससे जिम में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। घटना की सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर तत्काल बचाव अभियान शुरू किया। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाने के साथ-साथ अंदर फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण इनवर्टर की बैटरी में शॉर्ट सर्किट को माना जा रहा है।

हालांकि, आग के सटीक कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है। आग से कोई जनहानि नहीं हुई है। जिम में रखे उपकरण और अन्य सामान का नुकसान हुआ है। रविवार की सुबह कस्बे के लोग घूमने के लिए निकले लोगों ने इमारत की तीसरी मंजिल से धुआं निकलता देखा। उन्होंने ही घटना की सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी। बचाव कार्य के दौरान घटनास्थल पर काफी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। दमकल विभाग की टीम ने काफी प्रयास के बाद लोगों को सुरक्षित बचाया।

आग लगने के बाद जिम में धुआं फैलने से सीढ़ियों से आने का रास्ता बंद हो गया। इसके चलते अंदर फंसे लोगों ने साइड की खिड़की खोली और आवाज लगाकर मदद मांगी। तीसरी मंजिल पर फंसे दमकल कर्मियों ने लोहे की सीढ़ी और रस्सी के सहारे रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर अंदर फंसे लोगों को सकुशल बाहर निकाला। सभी लोगों ने बाहर आकर राहत की सांस ली। दमकल विभाग के मुताबिक एक के बाद एक दमकल की छह गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग की बड़ी घटना होने की सूचना पर ग्रेटर नोएडा से भी दमकल की गाड़ियों को रवाना किया गया। दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि जिम में रखा कुछ सामान जल गया है।

ग्रेनो में दो और एसटीपी का निर्माण जल्द होगा

ग्रेटर नोएडा,एजेंसी।

ग्रेटर नोएडा ईस्ट और वेस्ट इलाके में घरों और फैक्टरियों से निकलने वाले सीवरेज को शोधित करने की क्षमता बढ़ाई जाएगी। इसके लिए 80 और 12 एमएलडी क्षमता के दो सीवरेज शोधित संयंत्र (एसटीपी) का निर्माण जल्द किया जाएगा। प्राधिकरण ने निविदा जारी कर तैयारी शुरू कर दी है। प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक कार्यदायी संस्था का चयन कर अगले दो से तीन माह में एसटीपी का निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा। आधुनिक तकनीक पर आधारित 80 एमएलडी क्षमता के एसटीपी के लिए ग्रेटर नोएडा वेस्ट में सेक्टर नॉलेज पार्क-5 के समीप सेक्टर रिक्रिएशनल ग्रीन-6 (मनोरंजक हरा-भरा क्षेत्र-6) में जगह चिन्हित कर ली गई है।

इस एसटीपी के निर्माण पर 269.61 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। कार्यदायी संस्था ही 10 साल तक रखरखाव और संचालन करेगी। आवासीय और औद्योगिक सेक्टरों के अलावा आसपास के गांवों को भी इससे जोड़ा जाएगा। वहीं, 12 एमएलडी क्षमता का एसटीपी सेक्टर आईटी सिटी में बनाया जाएगा। वरिष्ठ प्रबंधक सन्नी यादव ने बताया कि सीवर के शोधित पानी का इस्तेमाल पार्कों और हरित क्षेत्र की सिंचाई में किया जा रहा है। इसके लिए अलग से पाइप लाइन बिछाने का काम चल रहा है। शहर में चार एसटीपी पहले से चालू स्थिति में हैं।

दरअसल, ग्रेटर नोएडा स्वच्छता के मामले में अव्वल बनाने के लिए एसटीपी की संख्या बढ़ाने की कार्ययोजना बनाई गई है। शहरी क्षेत्र के साथ प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में स्थित गांवों के सीवरेज को शत- प्रतिशत शोधित किया जाना है। इसके लिए सभी गांवों को सीवर लाइन से जोड़ने का काम भी शुरू कर दिया गया है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा इस संबंध में निर्देश दिए जा रहे हैं। कार्य की प्रगति रिपोर्ट हर माह देनी होती है।

RNI.No DLHIN/25/A2841

स्वामी, प्रकाशक, संपादक देवेंद्र सिंह तोमर एवं मुद्रक रवि भारद्वाज मै. मारुती नंदन प्रिंटर्स एवं पब्लिशर, शक्ति कॉम्प्लेक्स 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली 110042 से मुद्रित एवं हॉउस नंबर 16/ 9980, गली नंबर-5, सराय रोहिल्ला न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली-110005 से प्रकाशित।

संपादकीय कार्यालय - B4/265B केशव पुरम नई दिल्ली -110005। फोन-011-40106508 मोबाइल-9911466900/ 8076353913। Email.saahassamachardainik@gmail.com

संपादक देवेंद्र सिंह तोमर

इस अंक में प्रकाशित खबरों एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा नई दिल्ली के न्यायालय में होगा।

मुख्यमंत्री ने किया घटनास्थल का निरीक्षण, मजिस्ट्रियल जांच के आदेश

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर हरसंभव सहायता देने का दिया आश्वासन।

नई दिल्ली,साहस समाचार।

सैदुलाजाब में मकान गिरने वाले घटनास्थल का रविवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दौरा किया और राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों से घटना की पूरी जानकारी ली और चल रहे बचाव कार्य की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर पूरी घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि घटना के दोषी अधिकारियों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), दिल्ली अग्निशमन सेवा, दिल्ली पुलिस, जिला प्रशासन, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), सिविल डिफेंस और अन्य एजेंसियों द्वारा संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विभिन्न अस्पतालों में भर्ती घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी घायलों को निशुल्क और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उनके निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए महरौली थाने में आपराधिक मामला दर्ज कर लिया गया है। हादसे के वास्तविक कारणों और जवाबदेही तय करने के लिए दक्षिण जिला के जिलाधिकारी के नेतृत्व में मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दे दिए गए हैं। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि भवन ध्वस्त होने के कारणों की विस्तृत जांच कराई जाए और अगर निर्माण संबंधी अनियमितता, सुरक्षा मानकों की अनदेखी या किसी प्रकार की प्रशासनिक लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सैदुलाजाब और आसपास के इलाकों में जर्जर, खतरनाक और अवैध भवनों का तत्काल सर्वे और निरीक्षण किया जाए। जिन इमारतों से लोगों की सुरक्षा को खतरा है, उनके खिलाफ नियमों के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अवैध निर्माणों को संरक्षण देने या अपनी जिम्मेदारियों के निर्वहन में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

'मन की बात' के सामूहिक श्रवण में शामिल हुईं रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, साहस समाचार।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता रविवार को मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित 'विकसित मालवीय नगर का संकल्प समारोह' में शामिल हुईं। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण किया गया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर मेधावी और आर्थिक रूप से जरूरतमंद 15 छात्राओं को साइकिलें वितरित कर बालिका शिक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने का संदेश दिया।

अरविंदो मार्ग स्थित एनसीयूआई सभागार में आयोजित कार्यक्रम में नई दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज, मालवीय नगर के विधायक सतीश उपाध्याय, स्थानीय नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने समारोह के दौरान क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों और जनहित परियोजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया तथा विभिन्न विकास पहलों की जानकारी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि विकसित दिल्ली का निर्माण मजबूत आधारभूत संरचना, बेहतर नागरिक सुविधाओं और जनभागीदारी के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल विकास परियोजनाओं को गति देना नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना भी है। कार्यक्रम के दौरान विधायक सतीश उपाध्याय से जुड़ी संस्था उमा निरंजन फाउंडेशन की ओर से 15 मेधावी और जरूरतमंद छात्राओं को साइकिलें प्रदान की गईं।

मुख्यमंत्री ने छात्राओं को साइकिलें वितरित करते हुए कहा कि शिक्षा तक आसान पहुंच प्रत्येक बेटी का अधिकार है और ऐसी पहलें छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ उनके आत्मविश्वास को भी मजबूत करती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसा वातावरण तैयार करना चाहती है, जहां किसी भी बेटी की पढ़ाई आर्थिक या सामाजिक कारणों से बाधित न हो।

मुख्यमंत्री ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें शिक्षा के माध्यम से अपने सपनों को साकार करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बेटियों की शिक्षा और सशक्तीकरण समाज के समग्र विकास का आधार है।

एनडीएमसी उपाध्यक्ष ने पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नई दिल्ली,साहस समाचार।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से चलाए जा रहे 'एक पेड़ मां के नाम ऑन संडे' अभियान के अंतर्गत आज नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने चाणक्यपुरी स्थित डिप्लोमैटिक एन्क्लेव ओनर्स एंड रेजिडेंट्स एसोसिएशन (डीईओआरए), मलचा मार्ग में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर स्थानीय निवासी, आरडब्ल्यूए पदाधिकारी, एनडीएमसी के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने अपनी माताओं के सम्मान में पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम में डीईओआरए के पदाधिकारी अशोक बहल, आदित्य टंडन, अंशु देवान एवं अवधेश सहित अनेक नागरिकों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों ने कहा कि यह अभियान मां के प्रति सम्मान और प्रकृति संरक्षण को एक साथ जोड़ने का एक सराहनीय प्रयास है। पौधारोपण से पूर्व कुलजीत सिंह चहल ने क्षेत्र के निवासियों एवं आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं।

उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सभी जनहित के कार्यों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि यह अभियान केवल पौधे लगाने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि समाज को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का एक जनआंदोलन है। एक पौधा लगाकर हम अपनी माँ को सम्मान देने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य की नींव भी रखते हैं।

उन्होंने बताया कि एनडीएमसी द्वारा पूरे वर्ष हर रविवार को विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। लगाए गए पौधों की देखभाल और उनके संरक्षण के लिए बागवानी, स्वास्थ्य, सिविल, सड़क, जलापूर्ति, जल निकासी एवं विद्युत विभाग मिलकर कार्य कर रहे हैं। चहल ने यह भी जानकारी दी कि आगामी 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एनडीएमसी द्वारा विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने द्वारा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करें और पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से और मजबूत बनाएं।

दिल्ली हवाई अड्डे पर 2.6 किलोग्राम उन्नत गांजा बरामद

नई दिल्ली,साहस समाचार।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग की वायु खुफिया इकाई ने बैंकॉक से आए एक भारतीय यात्री को 2.645 किलोग्राम उन्नत गुणवत्ता वाले गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी ने नशीले पदार्थ को सूटकेस के भीतर विशेष रूप से बनाई गई गुप्त जगह में छिपाकर तस्करी की कोशिश की थी। सीमा शुल्क अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई 29 मई को की गई। बैंकॉक से एक निजी विमान सेवा की उड़ान से दिल्ली पहुंचे यात्री की गतिविधियों पर अधिकारियों को संदेह हुआ। जब वह बिना घोषित सामान वाले निकास मार्ग से बाहर निकलने का प्रयास कर रहा था, तभी उसे रोककर पूछताछ और सामान की जांच की गई।

अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान यात्री का सूटकेस सामान्य से अधिक भारी महसूस हुआ। इसके बाद सामान की गहन तलाशी ली गई, जिसमें सूटकेस के ऊपरी और निचले हिस्से में बेहद चालाकी से बनाई गई गुप्त जगह का पता चला। इन हिस्सों को खोलने पर वैक्यूम सील किए गए दो पैकेट बरामद हुए, जिनमें हरे रंग का नशीला पदार्थ भरा हुआ था। प्राथमिक जांच में बरामद पदार्थ की पहचान उन्नत गुणवत्ता वाले गांजे के रूप में हुई, जिसका कुल वजन 2.645 किलोग्राम पाया गया। सीमा शुल्क विभाग ने नशीले पदार्थ को जब्त कर आरोपी यात्री को हिरासत में ले लिया है और उसके विरुद्ध मादक पदार्थ नियंत्रण कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अधिकारियों का कहना है कि इस मामले की जांच केवल बरामदगी तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसके पीछे सक्रिय अंतरराष्ट्रीय तस्करी गिरोह और अन्य संभावित सहयोगियों की भी पहचान की जाएगी।

भारत की शक्ति उसकी सभ्यतागत चेतना में निहितः विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली,साहस समाचार।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि भारत की शक्ति केवल उसकी आर्थिक वृद्धि और तकनीकी प्रगति में ही नहीं, बल्कि उसकी सभ्यतागत चेतना, सांस्कृतिक परंपराओं और नैतिक मूल्यों में भी निहित है। इस विरासत का संरक्षण केवल अतीत को स्मरण करने का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की अनिवार्य आवश्यकता है। यह विचार विजेंद्र गुप्ता ने आज दिल्ली विश्वविद्यालय स्थित शंकर लाल कॉन्सर्ट हॉल में आयोजित पुस्तक 'प्रथम सिंधु कुंभ : आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व' के विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

इस कार्यक्रम का आयोजन सिंधु दर्शन समिति द्वारा किया गया, जिसमें प्रख्यात आध्यात्मिक संतों, विद्वानों, शिक्षाविदों तथा समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में डॉ. इन्द्रेश कुमार तथा डॉ. दयालु महाराज (अध्यक्ष, हिमालय परिवार, दिल्ली प्रांत) सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अपने संबोधन में विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह अवसर केवल एक पुस्तक के विमोचन तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत की सभ्यतागत विरासत, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय आत्मा से पुनः जुड़ने का एक महत्त्वपूर्ण अवसर है।

विजेंद्र गुप्ता ने सिंधु नदी के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सिंधु केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि भारत की सभ्यतागत स्मृति और सांस्कृतिक पहचान की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि हिंद, हिंदू और हिंदुस्तान जैसे शब्दों की ऐतिहासिक जड़ें भी सिंधु से जुड़ी हुई हैं। उनके अनुसार सिंधु उस निरंतर सभ्यतागत यात्रा का प्रतीक है जिसने सहस्राब्दियों से भारत के स्वरूप और उसकी सांस्कृतिक चेतना को आकार दिया है। भारत की विविधता में निहित एकता पर बल देते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि देश में भाषाओं, परंपराओं और जीवन-शैलियों की उल्लेखनीय विविधता होने के बावजूद उसकी सांस्कृतिक आत्मा एक है।

उन्होंने कहा कि यही सभ्यतागत एकता भारत की स्थायी शक्ति रही है और सिंधु उसी सांस्कृतिक एकात्मता का प्रतीक है जो देशवासियों को क्षेत्रों और पीढ़ियों की सीमाओं से परे जोड़ती है।

बात मुद्दे की

आलोक गौड़

क्या देश का अनाज भी अब कुछ हाथों में सिमट जाएगा?

लोकतंत्र में कुछ सवाल ऐसे होते हैं जिन्हें किसी राजनीतिक दल, नेता या विचारधारा के चश्मे से नहीं देखा जा सकता। वे सवाल सीधे देश, समाज और आने वाली पीढ़ियों से जुड़े होते हैं। खाद्य सुरक्षा ऐसा ही एक सवाल है।

आज देश में एक नई बहस जन्म ले रही है। बहस इस बात की नहीं है कि कौन-सी कंपनी बड़ी है और कौन-सी छोटी। बहस इस बात की भी नहीं है कि निजी क्षेत्र को व्यवस्था में शामिल होना चाहिए या नहीं। असली बहस यह है कि क्या देश की खाद्य सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्था इतनी केंद्रित हो सकती है कि भविष्य में उसका नियंत्रण कुछ गिने-चुने हाथों तक सीमित हो जाए?

यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत केवल एक बाजार नहीं है। यह दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देशों में से एक है, जहां करोड़ों लोग आज भी सार्वजनिक वितरण प्रणाली के राशन पर निर्भर हैं। जहां किसान सिर्फ अन्नदाता नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। जहां सूखा, बाढ़, महामारी या आर्थिक संकट आने पर सरकारी भंडार ही सबसे बड़ी सुरक्षा कवच बनते हैं।

यही कारण है कि खाद्यान्न भंडारण का मुद्दा केवल तकनीकी या प्रशासनिक विषय नहीं है। यह राष्ट्रीय महत्व का विषय है।

पिछले कुछ वर्षों में देश ने एक बड़ा किसान आंदोलन देखा। सरकार ने तीन कृषि कानूनों को कृषि सुधार बताया था। किसानों का एक बड़ा वर्ग उन्हें अपने भविष्य के लिए खतरा मान रहा था। महीनों चले संघर्ष, टकराव और अंततः कानूनों की वापसी के बाद ऐसा लगा था कि यह अध्याय समाप्त हो गया।

लेकिन अब जब खाद्यान्न भंडारण व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं तो पुरानी आशंकाएं फिर सिर उठाने लगी हैं।

सरकार का पक्ष साफ है। उसका कहना है कि आधुनिक साइलो प्रणाली से अनाज की बर्बादी कम होगी, भंडारण क्षमता बढ़ेगी और लॉजिस्टिक्स बेहतर होंगे। यह तर्क पहली नजर में गलत भी नहीं लगता। आखिर भारत में हर साल लाखों टन अनाज खराब होने की खबरें आती रही हैं। आधुनिक तकनीक की जरूरत से कोई इनकार नहीं कर सकता।

लेकिन लोकतंत्र में हर नीति का दूसरा पक्ष भी होता है। और दूसरा पक्ष पूछ रहा है कि क्या आधुनिकीकरण के नाम पर खाद्य सुरक्षा के ढांचे में अत्यधिक केंद्रीकरण तो नहीं हो रहा? क्या पर्याप्त प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित की गई है? क्या भविष्य में किसी प्रकार की निर्भरता पैदा हो सकती है? क्या ऐसी व्यवस्था बनाई गई है जिसमें किसी एक या दो बड़े समूह का प्रभाव असामान्य रूप से बढ़ जाए? ये सवाल किसी राजनीतिक पार्टी के नहीं हैं। ये सवाल जनता के हैं।

दुर्भाग्य यह है कि आज के दौर में सवाल पूछना ही सबसे बड़ा अपराध बना दिया गया है। अगर आप बेरोजगारी पर सवाल पूछें तो कहा जाएगा कि देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। अगर महंगाई पर सवाल पूछें तो बताया जाएगा कि पूरी दुनिया संकट में है। अगर किसानों की बात करें तो आपको विकास विरोधी साबित करने की कोशिश होगी। और अगर खाद्य सुरक्षा पर चिंता व्यक्त कर दें तो आपको किसी न किसी राजनीतिक खांचे में डाल दिया जाएगा।

यही वह प्रवृत्ति है जो लोकतंत्र को कमजोर करती है। किसी भी सरकार की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्थकों की तालियां नहीं, बल्कि आलोचना सहने की क्षमता होती है। जो सरकार सवालों से डरने लगे, उसे अपने ही दावों पर पुनर्विचार करना चाहिए। सवाल यह भी है कि आखिर हम किस दिशा में जा रहे हैं? देश के हवाई अड्डे, बंदरगाह, बिजली, खनन, दूरसंचार, सड़कें, रेल सेवाओं के कुछ हिस्से, बीमा और अब खाद्य भंडारण जैसे क्षेत्रों को लेकर लगातार बहस हो रही है। समर्थक इसे आर्थिक सुधार बताते हैं। आलोचक इसे संसाधनों के केंद्रीकरण की प्रक्रिया मानते हैं। सच शायद इन दोनों के बीच कहीं हो सकता है। लेकिन लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि वहां बहस की गुंजाइश होती है। दिक्कत तब शुरू होती है जब बहस को देशद्रोह और सवाल को साजिश घोषित कर दिया जाता है। देश का किसान आज भी लागत, मौसम, कर्ज और बाजार के बीच पिस रहा है। MSP पर बहस आज भी खत्म नहीं हुई। खेती आज भी लाभ का नहीं, संघर्ष का व्यवसाय बनी हुई है। ऐसे में जब खाद्य सुरक्षा और भंडारण व्यवस्था से जुड़े बड़े फैसले लिए जाते हैं तो किसानों का चिंतित होना स्वाभाविक है।

सरकार को इन चिंताओं का जवाब देना चाहिए। और जवाब तथ्यों से देना चाहिए, नारों से नहीं। क्योंकि जनता अब सिर्फ यह नहीं जानना चाहती कि कितने लाख टन भंडारण क्षमता बढ़ी। वह यह भी जानना चाहती है कि उस क्षमता का नियंत्रण किसके पास होगा। वह जानना चाहती है कि भविष्य में खाद्य सुरक्षा के लिए क्या सुरक्षा तंत्र बनाए गए हैं। वह जानना चाहती है कि कहीं ऐसा तो नहीं कि सार्वजनिक हित के नाम पर निजी हितों को असामान्य लाभ मिल रहा हो।

ये सवाल इसलिए भी जरूरी हैं क्योंकि भारत जैसा देश किसी भी संकट में सबसे पहले अपने खाद्यान्न भंडार पर ही भरोसा करता है। कोरोना काल में यही हुआ था। अगर सरकारी भंडार खाली होते तो करोड़ों लोगों तक मुफ्त राशन पहुंचाना संभव नहीं था। उस समय देश ने समझा कि खाद्य सुरक्षा केवल अर्थशास्त्र का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता का भी आधार है। इसलिए आज जरूरत किसी राजनीतिक नारे की नहीं है। जरूरत पारदर्शिता की है। जरूरत जवाबदेही की है। जरूरत यह भरोसा पैदा करने की है कि देश की खाद्य सुरक्षा किसी भी परिस्थिति में कुछ चुनिंदा हितों की बंधक नहीं बनेगी।

शालीमार बाग में सड़क चौड़ीकरण के लिए ध्वस्तीकरण अभियान

नई दिल्ली,साहस समाचार।

उत्तर-पश्चिम दिल्ली के शालीमार बाग क्षेत्र में रविवार सुबह बड़े स्तर पर ध्वस्तीकरण अभियान शुरू किया गया। प्रशासन द्वारा सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत मैक्स अस्पताल मार्ग पर बने लगभग 157 निर्माणों को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। अभियान को लेकर क्षेत्र में भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई है और बड़ी संख्या में पुलिस तथा अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है।

प्रशासन के अनुसार यह कार्रवाई आउटर रिंग रोड से आजादपुर मंडी और संजय गांधी परिवहन नगर को सीधे जोड़ने वाली सड़क के चौड़ीकरण के लिए की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि वर्तमान में सड़क बीच के हिस्से में संकरी हो जाती है, जिससे यातायात बाधित होता है और वर्षा के दौरान जलभराव जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। सड़क चौड़ी होने से यातायात व्यवस्था में सुधार और आवागमन सुगम होने की उम्मीद जताई जा रही है।

रविवार तड़के से ही क्षेत्र में सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई थी। दिल्ली पुलिस के साथ रैपिड एक्शन फोर्स, सीमा सुरक्षा बल और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान भी मौके पर मौजूद रहे। उत्तर-पश्चिम जिले की पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी कार्रवाई की निगरानी करते नजर आए। निगरानी के लिए ड्रोन कैमरों, दृश्य रिकॉर्डिंग और तकनीकी निगरानी व्यवस्था का भी उपयोग किया गया।

मध्य उत्तर दिल्ली के जिला मजिस्ट्रेट शैलेंद्र सिंह ने बताया कि संबंधित भूमि वर्ष 1980 में अधिग्रहित की गई थी और उस समय प्रभावित लोगों को मुआवजा दिया गया था। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने प्रभावित निवासियों को पूर्व में नोटिस जारी किए थे और न्यायालय के निर्देशों के अनुसार दावे एवं आपत्तियां भी आमंत्रित की गई थीं। लगभग 157 आवेदनों पर सुनवाई के बाद प्रशासन ने आदेश पारित किए। प्रशासन के अनुसार प्रभावित लोगों को 30 मई तक मकान खाली करने के लिए समय दिया गया था। मामले को लेकर निवासी पहले दिल्ली उच्च न्यायालय और बाद में सर्वोच्च न्यायालय पहुंचे, लेकिन उन्हें राहत नहीं मिल सकी। अदालतों के निर्देशों के बाद निर्धारित समयसीमा समाप्त होने पर रविवार को ध्वस्तीकरण अभियान शुरू किया गया।

पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। हालांकि, स्थानीय निवासियों ने कार्रवाई पर चिंता व्यक्त की है। प्रभावित परिवारों का कहना है कि वे दशकों से यहां रह रहे थे और उनके पास संपत्ति से संबंधित दस्तावेज मौजूद हैं। कई लोगों का दावा है कि ध्वस्तीकरण से सैकड़ों परिवार प्रभावित होंगे और उन्हें पुनर्वास को लेकर अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है।

कुछ परिवारों ने प्रशासन पर वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर पर्याप्त स्पष्टता न होने का आरोप भी लगाया है।

राष्ट्रीय पैरा-एथलीट चिराग त्यागी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

नई दिल्ली,साहस समाचार।

राष्ट्रीय पैरा-एथलीट चिराग त्यागी की मौत से खेल जगत और गाजियाबाद के लोगों में शोक की लहर दौड़ गई है। उनका शव शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में स्थित साई उपवन में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। पुलिस ने शनिवार शाम को शव बरामद किया और मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, चिराग त्यागी दिल्ली में अपने हॉस्टल से पैतृक गांव, गाजियाबाद के मुरादनगर इलाके में स्थित बसंतपुर सेंथली के लिए निकले थे। हालांकि, बाद में दिन में उनका शव साई उपवन में मिला।

पुलिस को घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद स्थानीय पुलिस और फोरेंसिक विशेषज्ञ सबूत इकट्ठा करने के लिए मौके पर पहुंचे। पुलिस उपायुक्त (शहर) धवल जायसवाल ने रविवार को कहा, आज कोतवाली पुलिस थाना क्षेत्र में, दोपहर करीब 3 बजे, पुलिस को सूचना मिली कि साई कुंज इलाके में एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला है। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। शव को आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं और पोस्टमॉर्टम कार्रवाई के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। मृतक की पहचान चिराग त्यागी के रूप में हुई है, जो एक पैरा-एथलीट थे। प्रथम दृष्टया, यह मामला हत्या का प्रतीत होता है।

कोतवाली थाना प्रभारी सचिन कुमार ने बताया कि शुरुआती जांच में त्यागी की पीठ पर एक घाव मिला है, जो किसी नुकीली चीज से हुए घाव जैसा लग रहा है। जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि यह घाव किसी हथियार, किसी धारदार चीज, या किसी अन्य वस्तु से हुआ था। जांच से जुड़े सूत्रों ने बताया कि एथलीट के शरीर पर कथित तौर पर और भी चोटें देखी गई हैं। हालांकि, अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि चोटों की प्रकृति और मौत के सही कारण की पुष्टि केवल पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही की जा सकती है।

चिराग त्यागी को भारत के सबसे होनहार पैरा-एथलेटिक्स प्रतिभाओं में से एक माना जाता था। वे अपने माता-पिता की इकलौती संतान थे और राष्ट्रीय स्तर पर लगातार अपनी पहचान बना रहे थे। चिराग दिल्ली में जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर में प्रशिक्षण ले रहे थे और वहीं रह रहे थे, जहां उन्हें विशेष कोचिंग और रहने की सुविधा उपलब्ध थी।

उन्होंने हाल ही में बेंगलुरु में आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में 400 मीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की थी।

संपादकीय

विश्वास का संकट: विकास की दौड़ में कहीं छूटता समाज

भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता है। नए एक्सप्रेस-वे बन रहे हैं, मेट्रो नेटवर्क का विस्तार हो रहा है, डिजिटल क्रांति गांव-गांव तक पहुंच रही है और तकनीक ने जीवन को पहले से कहीं अधिक सुविधाजनक बना दिया है। लेकिन इन तमाम उपलब्धियों के बीच एक ऐसा संकट भी धीरे-धीरे गहराता जा रहा है, जिस पर शायद उतनी चर्चा नहीं हो रही जितनी होनी चाहिए। यह संकट है विश्वास का संकट। विश्वास किसी भी समाज की सबसे बड़ी पूंजी होता है। यह न तो किसी बैंक में जमा होता है और न ही किसी सरकारी दस्तावेज में दर्ज होता है, लेकिन इसके बिना कोई भी व्यवस्था लंबे समय तक मजबूत नहीं रह सकती। परिवार हो, समाज हो, व्यापार हो या शासन व्यवस्था हर संबंध की नींव विश्वास पर ही टिकी होती है।

आज स्थिति यह है कि लोग एक-दूसरे पर पहले की तरह भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। परिवारों में संवाद कम हो रहा है, रिश्तों में संदेह बढ़ रहा है, सामाजिक जीवन में स्वार्थ का प्रभाव दिखाई दे रहा है और सार्वजनिक संस्थाओं के प्रति लोगों का विश्वास भी कई बार सवालों के घेरे में आ जाता है। यह बदलाव अचानक नहीं आया है। इसके पीछे वर्षों से बन रही सामाजिक परिस्थितियां जिम्मेदार हैं।

तकनीक ने लोगों को जोड़ा जरूर है, लेकिन कई बार यह जुड़ाव केवल स्क्रीन तक सीमित रह गया है। पहले मोहल्लों में शाम को चौपाल लगती थी, लोग सुख-दुख साझा करते थे, पड़ोसी परिवार का हिस्सा माने जाते थे। आज अधिकांश लोग अपने-अपने मोबाइल फोन और डिजिटल दुनिया में व्यस्त हैं। हजारों ऑनलाइन मित्र होने के बावजूद कई लोग मानसिक रूप से अकेलापन महसूस कर रहे हैं।

विश्वास का संकट केवल सामाजिक स्तर तक सीमित नहीं है। इसका असर आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में भी दिखाई देता है। जब लोगों को व्यवस्था पर भरोसा होता है, तो वे नियमों का पालन करते हैं, कर चुकाते हैं और विकास की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करते हैं। लेकिन जब विश्वास कमजोर पड़ता है, तो असंतोष और अविश्वास बढ़ने लगता है। यही कारण है कि किसी भी लोकतंत्र की सफलता केवल कानूनों और नीतियों से नहीं, बल्कि जनता और संस्थाओं के बीच बने विश्वास से तय होती है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह संकट नई पीढ़ी को भी प्रभावित कर रहा है। बच्चे और युवा ऐसे माहौल में बड़े हो रहे हैं जहां प्रतिस्पर्धा पहले से कहीं अधिक है। सफलता को अक्सर केवल आर्थिक उपलब्धियों से मापा जाने लगा है। नैतिक मूल्यों, सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय संवेदनाओं की चर्चा अपेक्षाकृत कम होती दिखाई देती है। परिणामस्वरूप जीवन में आगे बढ़ने की दौड़ तेज होती जा रही है, लेकिन मन की शांति और सामाजिक संतुलन पीछे छूटता जा रहा है। इस स्थिति का समाधान केवल सरकारों या संस्थाओं के पास नहीं है। समाज को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। परिवारों में संवाद बढ़ाना होगा। बच्चों को केवल करियर नहीं, बल्कि चरित्र का महत्व भी सिखाना होगा। शिक्षा व्यवस्था को ऐसे नागरिक तैयार करने होंगे जो केवल कुशल पेशेवर ही नहीं, बल्कि संवेदनशील इंसान भी हों। मीडिया की भूमिका भी यहां अत्यंत महत्वपूर्ण है। पत्रकारिता का उद्देश्य केवल खबर देना नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा में सोचने के लिए प्रेरित करना भी है। यदि सकारात्मक पहल, ईमानदार प्रयास और सामाजिक सहयोग की कहानियों को अधिक स्थान मिले, तो लोगों के बीच विश्वास का वातावरण मजबूत हो सकता है। आलोचना आवश्यक है, लेकिन निरंतर नकारात्मकता समाज में निराशा भी पैदा कर सकती है। सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता और जवाबदेही भी विश्वास बहाली की महत्वपूर्ण शर्त हैं। जब निर्णय खुलेपन के साथ लिए जाते हैं और जवाबदेही सुनिश्चित होती है, तो लोगों का भरोसा स्वाभाविक रूप से बढ़ता है। चाहे प्रशासन हो, राजनीति हो या निजी संस्थाएं हर स्तर पर विश्वास अर्जित करना आज सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। इतिहास गवाह है कि जिन समाजों ने विश्वास को मजबूत रखा, वे कठिन से कठिन परिस्थितियों से भी उबर गए। वहीं जिन समाजों में अविश्वास गहराया, वहां आर्थिक और सामाजिक प्रगति भी लंबे समय तक टिक नहीं सकी।

भारतीय इतिहास बोध और उसे बदलने के प्रयास

हृदयनारायण दीक्षित

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने मोहनजोदड़ो से प्राप्त 4300 वर्ष पुरानी पशुपति मुहर और मूलबंधासन योग मुद्रा में बैठी आकृति को शिव का रूप बताते हुए इसे भारत की सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत प्रतीक बताया है।

अभी तक भारतीय इतिहास बोध को अपनी मंशा के अनुसार बदलने की कोशिशें चल रही थीं, अब देवी-देवताओं पर भी हमले हो रहे हैं। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने मोहनजोदड़ो से प्राप्त 4300 वर्ष पुरानी पशुपति मुहर और मूलबंधासन योग मुद्रा में बैठी आकृति को शिव का रूप बताते हुए इसे भारत की सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत प्रतीक बताया है। एक इतिहासकार आद्रे ने इस दावे को खारिज कर दिया है और कहा है कि यह आकृति शिव की नहीं है। यह पश्चिमी संस्कृति और यूरेशियाई पशुओं के देवता से प्रभावित है। इसके पहले भी ऐसे लोग सिंधु सभ्यता पर बाहरी प्रभावों का जिक्र करते रहे हैं। दरअसल, 1922 में मोहनजोदड़ो में खुदाई के दौरान एएसआई के महानिदेशक मार्शल ने इसे शिव का रूप बताया था। उन्होंने अपनी किताब में भी शिव का प्रारंभिक रूप बताया है। लेखक अमीश ने मुहर पर अंकित जानवरों को विदेशी नहीं बताया। वे भारत में पाए जाते हैं।

दक्षिणी पश्चिमी ईरान में भी यह पशु प्राकृतिक रूप में नहीं पाए जाते। डॉ. एल. वेमसानी का तर्क ध्यान देने योग्य है। पशुपति मुहर में आकृति योग मुद्रा में है। पश्चिमी इतिहासकारों द्वारा बहुत पहले से ही भारतीय इतिहास को विकृत किया जाता रहा है। वामपंथी इतिहासकारों ने हम भारत के निवासियों को बाहर से आया हमलावर बताया था लेकिन यह झूठ पकड़ा गया। वे सिद्ध करना चाहते थे कि भारतीय ज्ञान, देवता और सभ्यता उधार के हैं। जबकि भारत में ऋग्वैदिक काल और उसके बहुत पहले से सांस्कृतिक निरंतरता है। आर्य आक्रमण का झूठ लोग जान गए हैं। शिव भारत के देवता ही हैं। यजुर्वेद का एक पूरा अध्याय शिव पर है। अब आर्य आक्रमण की बात करने वाले खिसियाए हुए हैं। संस्कृति मंत्रालय ने एक ट्वीट में लिखा है कि, "भारत के अखंड और निरंतर चली आ रही सभ्यता की यह सबसे शक्तिशाली प्रतीकों में से एक है। अविभाजित भारत के मोहनजोदड़ो में मिली यह लगभग 4300 साल पुरानी मुहर एक योग मुद्रा में बैठे व्यक्ति को दिखाती है, जिसे व्यापक रूप से शिव पशुपति माना जाता है। यह आकृति मूलबंधासन में बैठी दिखाई देती है और उसके चारों ओर कई जानवर बने हुए हैं।"

इतिहास की वैज्ञानिक समझ से वर्तमान को बदलना मार्क्सवादी लक्ष्य था, उन्होंने वर्तमान की निजी जरूरतों के मुताबिक इतिहास बदला। यही काम अंग्रेजों ने किया। उन्होंने अंग्रेजी राज को जायज ठहराने के लिए भारत का नया इतिहास लिखाया। इतिहास से सीखकर वर्तमान बदलना अच्छा विचार है लेकिन अपनी आवश्यकतानुसार इतिहास बदलना महापाप है। इतिहास ने उन्हें दंडित किया। मार्क्सवादी इतिहास शेष रहे, लेकिन दोनों के विषाणु भारत में आज भी मौजूद हैं। भारत पर अंग्रेजी शासन के लिए भाषा, इतिहास, सभ्यता और संस्कृति का ज्ञान जरूरी था। बेशक पश्चिमी विद्वानों ने मेहनत की। पश्चिम की संस्कृति का मूलाधार यूनान था लेकिन विलियम जोंस ने थर्ड एनुअल डिसकोर्स एशियाटिक रिसर्चेज में कहा, "यूनानी दार्शनिक पाइथागोरस और प्लेटो के उत्कृष्ट अनुभव प्राचीन भारतीय ऋषियों के अनुरूप थे। हिन्दू कला व शौर्य में विलक्षण थे। प्रशासन में सुयोग्य, विधि निर्माण में बुद्धिमान और ज्ञान में प्रवीण थे। डेविड कोफ जैसे विद्वानों को भारतीय समाज वैदिक आदर्शों से भटका हुआ लगा। वैदिक काल में मूर्ति पूजा नहीं थी।"

यह अध्ययन ईसाई मिशनरियों के लिए खतरनाक था। उनकी नजर में शासन के लिए अंग्रेजी और परमात्मा के मार्ग के लिए प्रभु ईशु ही विकल्प थे। इस चुनौती से जूझे एक अंग्रेज जेएस मिल। जेएस मिल ने 'हिस्ट्री ऑफ ब्रिटिश इंडिया' लिखकर भारत के सनातन ज्ञान पर हल्ला बोला। इतिहास में उन्हें 'उपयोगितावादी चिंतक' की सही संज्ञा मिली। कांग्रेसजनों और मार्क्सवादियों का उपयोगितावाद विचारणीय है। बच्चे पढ़ें कि आर्यों ने ईरान के रास्ते आकर हड़प्पा सभ्यता नष्ट की। किले तोड़े। वे चरवाहे और लुटेरे थे। मोहन जोदड़ो और हड़प्पावासी सभ्य थे। हड़प्पा सभ्यता का पतन दरअसल 1750 ई. पूर्व के आसपास हुआ। कालीबंगा की खुदाई से मिले तथ्यों में यही समय सरस्वती के सूखने का भी है। ऋग्वेद में सरस्वती भरी पूरी वेगवती आराध्य नदी है। ऋग्वेद के बाद रचे गए यजुर्वेद में भी सरस्वती पूरे यौवन और उफान पर है। ऋग्वेद, यजुर्वेद के बाद सरस्वती सूखी और हड़प्पा सभ्यता का ह्रास हुआ। सरस्वती समय विभाजक रेखा है। उसे पार करके ही आर्य आक्रमण के झूठ का प्रचार संभव है। ऋग्वेद हड़प्पा सभ्यता से पुराना है। मिस्त्र और सुमेर की सभ्यता से भी प्राचीन। दयाराम साहनी व आर. के. बनर्जी ने हड़प्पा और मोहनजोदड़ो नामक दो प्राचीन नगरों की खोज (1921-22) की। हड़प्पा रावी तट पर था, मोहनजोदड़ो सिंध पर।

राम प्रसाद चंद ने आर्यों को हड़प्पा सभ्यता के नाश का अभियुक्त ठहराया। चंद ने ऋग्वेद का सहारा लिया। उन्होंने 'पणि' को इन नगरों का मूल निवासी बताया। इंद्र को पुरहा-पुरंदर ध्वंसक बताया। चंद के अनुसार इंद्र ने आर्य दिवोदास के लिए दास शंबर के पुर जीते। शंबर 'दास' था। पहाड़ पर रहता था, जबकि सच यह है कि पहाड़ पर न मोहन जोदड़ो था और न ही हड़प्पा। फिर ऋग्वेद (9.61.2) में दिवोदास के शत्रुओं की सूची में शंबर के साथ यदु और तुर्वस जैसे आर्य भी हैं यानी कथित आर्य हमले में दोनों तरफ आर्य थे। सवाल पेंचीदे हैं। उन्होंने ऋग्वेद को गवाह बनाया है यानी ऋग्वेद हड़प्पा सभ्यता के नाश (सरस्वती के सूख जाने) के बाद रचा गया। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के पुरातत्वविद् रेनफ्रीव ने लिखा- आर्य आक्रमण का समय निर्धारण निःसंदेह डांवाडोल है। ऋग्वेद 10-15 हजार वर्ष से ज्यादा पुराना है।

राम प्रसाद चंद ने आर्यों को हड़प्पा सभ्यता के नाश का अभियुक्त ठहराया। चंद ने ऋग्वेद का सहारा लिया। उन्होंने 'पणि' को इन नगरों का मूल निवासी बताया। इंद्र को पुरहा-पुरंदर ध्वंसक बताया। चंद के अनुसार इंद्र ने आर्य दिवोदास के लिए दास शंबर के पुर जीते। शंबर 'दास' था। पहाड़ पर रहता था, जबकि सच यह है कि पहाड़ पर न मोहन जोदड़ो था और न ही हड़प्पा। फिर ऋग्वेद (9.61.2) में दिवोदास के शत्रुओं की सूची में शंबर के साथ यदु और तुर्वस जैसे आर्य भी हैं यानी कथित आर्य हमले में दोनों तरफ आर्य थे। सवाल पेंचीदे हैं। उन्होंने ऋग्वेद को गवाह बनाया है यानी ऋग्वेद हड़प्पा सभ्यता के नाश (सरस्वती के सूख जाने) के बाद रचा गया। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के पुरातत्वविद् रेनफ्रीव ने लिखा- "आर्य आक्रमण का समय निर्धारण निःसंदेह डांवाडोल है।" ऋग्वेद 10-15 हजार वर्ष से ज्यादा पुराना है। पश्चिम के विद्वान भी इसे 2500-3000 वर्ष पुराना मानते हैं। सिंधु क्षेत्र में सिंधु लिपि थी। इसी से ब्राह्मी आई।

लैंगडन के अनुसार सिंधु की चित्र लिपि का समय 2800 ई.पू. है। उन्होंने लिखा- "इतिहास जितना मानता है, भारत में आर्य उससे कहीं अधिक प्राचीन हैं।" फिलाडेल्फिया के पुरातत्वविद डेल्स 1960 के दशक में पाकिस्तान में उत्खनन कार्य से जुड़े। उन्होंने 'द मिथिकल मैस्केयर ऑफ मोहनजोदड़ो' (मोहनजोदड़ो के हत्याकांड की कपोलकथा) में व्हीलर, चंद, मार्शल, मैकाय आदि सिद्धांतकारों की बातें काट दीं। रेनफ्रीव ने आर्यों को भारत का मूल निवासी माना, आर्य आक्रमण सिद्धांत को गलत बताया। उन्होंने लिखा- "ऋग्वेद के दर्जन भर प्रसंगों में से एक में भी आक्रमण का संकेत नहीं मिलता।" प्रख्यात मार्क्सवादी विचारक डॉ. रामविलास शर्मा ने आर्य आक्रमण को भाषाविज्ञान की कल्पना बताते हुए लिखा- "सघोष महाप्राण ध्वनियों वाले भारतीय शब्दों के ईरानी, यूरोपियन प्रतिरूपों में सघोषता और महाप्राणता का संयोग नहीं होता। यह विशेषता केवल भारतीय आर्य भाषाओं की है। यही एक तथ्य आर्य आक्रमण सिद्धांत को ध्वस्त करने के लिए काफी है।" डॉ. अम्बेडकर ने ऋग्वेद के छठे, सातवें, आठवें और नौवें मंडल के सूक्तों के हवाले से लिखा- "लेखकों ने आर्य नस्ल का जो सिद्धांत बनाया वह वैज्ञानिक अनुसंधान का उल्टा है। भारत ही आर्यों का मूल निवास था।"

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

कमजोर मानसून से लगेगा महंगाई का झटका, अर्थव्यवस्था होगी प्रभावित

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

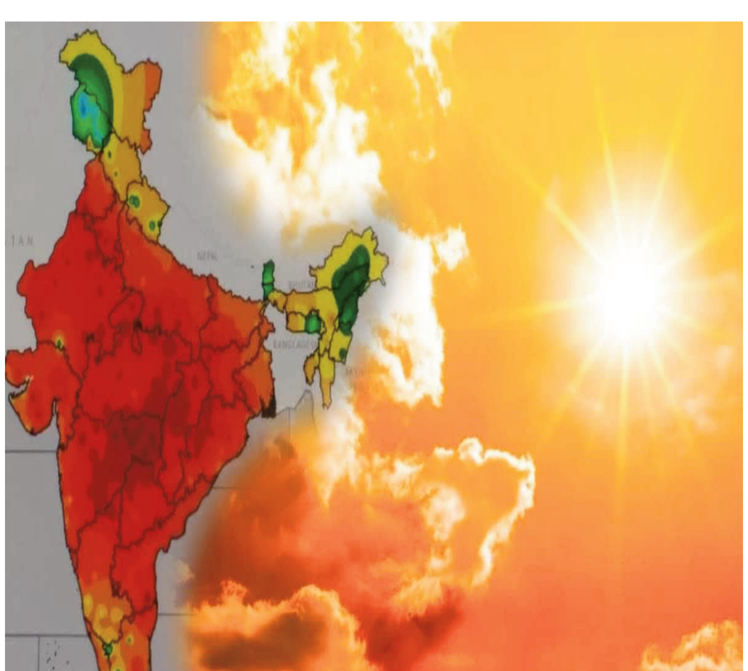

मौसम विभाग द्वारा 29 मई को जून से सितंबर मानसून के दौरान 10 प्रतिशत कम बरसात का पूर्वानुमान बेहद चिंताजनक का कारण बन गया है। इससे पहले जारी पूर्वानुमान में 8 प्रतिशत कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई थी। लगभग दस साल बाद देश में कमजोर मानसून के हालात रहने की संभावना है। अर्थव्यवस्था के लिए यह इसलिए और भी अधिक चिंतनीय हो जाता है कि एक और अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर के आसार नहीं दिख रहे हैं और इसके कारण भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश कच्चे तेल और गैस की समस्या से दो चार हो रहे हैं और इसका सीधा असर महंगाई बढ़ना हो रहा है। दूसरी ओर अब अलनीनों के प्रभाव से इस साल कमजोर मानसून के कारण 10 प्रतिशत कम बरसात होने से हालात और भी गंभीर होने की संभावना बनती जा रही है। करीब दस साल बाद ऐसे हालात बनने जा रहे हैं। खास बात यह है कि उत्तर पूर्व को छोड़कर समूचे देश में कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान को इसलिए भी नहीं नकारा जा सकता है कि पिछले सालों में भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान लगभग सटीक रहने लगे हैं। मजे की बात यह है कि इस साल गर्मी भी भीषण पड़ रही है और पिछले एक माह में ही जलाशयों में उपलब्ध पानी में तेजी से कमी आई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश के प्रमुख 166 जलाशयों में कुल भराव क्षमता का 24 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है और तेजी से पानी कम होता जा रहा है। दक्षिण भारत के हालात अधिक गंभीर है और वहां लगभग 17 प्रतिशत ही पानी रह गया है। उत्तरी भारत के जलाशयों में 26 तो पश्चिमी भारत के जलाशयों में 28 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है। मानसून भी तय समय से बिलंबित हो रहा है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि हमारी अर्थव्यवस्था मानसूनी बरसात पर बहुत कुछ निर्भर करती है। देश में मानसून सीजन में 87 सेमी बरसात होती है। पूर्वानुमानों को मानें तो 2018 में 91 प्रतिशत बरसात हुई थी उसके बाद के सालों में मानसून लगभग अच्छा ही रहा है। पिछले सालों में मानसून की स्थिति देखें तो 2023 में मानसून अवश्य कमजोर रहा है अन्यथा देश में मानसूनी वर्षा 100 प्रतिशत के आसापास व इससे अधिक ही रही है। कमजोर मानसून के कारण भूजल स्तर में गिरावट, अधिक पानी पर निर्भर धान, तिलहन और दलहन की फसल प्रभावित होगी और इस कारण से खाद्य महंगाई बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। इससे आम आदमी की थाली पर असर पड़ेगा और सब्जी, दाल और अनाज सभी के भाव बढ़ने का असर दिखाई देगा। इसी तरह देश के अनेक हिस्सों में पीने के पानी की दिक्कत आम है। बांधों में तेजी से पानी की कमी और मानसून कमजोर रहने से पानी की कम आवक रहती है तो निश्चित रुप से सिंचाई व पेयजल दोनों के लिए पानी की दिक्कत होगी। जल विद्युत परियोजनाओं में विद्युत उत्पादन पर असर होगा तो कुल मिलाकर अर्थ व्यवस्था को प्रभावित होने से कोई नहीं रोक सकता। दरअसल, देश में एक समय था जब सूखा आम होता था और व्यापक स्तर पर अकाल राहत कार्य संचालित होते थे। हांलाकि देश के हालातों में काफी सुधार हुआ है और अकाल को तो लगभग भूल ही चुके हैं।

पर सवाल वहीं का वहीं है कि जल संचयन के जो प्रयास होने चाहिए थे और उनका जिस तरह का प्रभाव पड़ना चाहिए था वह अभी तक सामने नहीं आया है। सरकार के सामने कमजोर मानसून के हालात से निपटने की बड़ी चुनौती आने वाली है। सबसे अधिक तो जल संग्रहण की चुनौती होगी क्योंकि प्राकृतिक जल संग्रहण के रास्ते शहरीकरण की भेंट चढ़ चुके हैं। दीर्घकालीन सोच के साथ ठोस प्रयास नहीं होने से बरसात के पानी का सही तरीके से संग्रहण भी नहीं हो पा रहा है। जितने पानी की सालभर आवश्यकता होती है उससे अधिक बरसाती पानी तो बह जाता है। इसके अलावा पानी का उपयोग और दुरुपयोग दोनों ही बढ़ गए हैं। कम पानी से तैयार होने वाली फसलों की किस्में विकसित करने में हम अभी पूरी तरह से सफल नहीं हो पाए हैं। पांच नदियों के प्रदेश पंजाब तक में पानी का संकट होने लगा है। खेती ही नहीं घरेलू जरुरतों में भी पानी का उपयोग बहुत अधिक बढ़ गया है। शौचालय और कूलरों में पानी की खपत बहुत बढ़ गई है। जल बचाओ मात्र स्लोगन रह गया है और इसका असर दिखाई नहीं देता। इसी तरह से वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तैयार तो बहुत किये गये हैं पर उनके निर्माण में जिस तरह की लापरवाही बरती गई है वह किसी से छिपी नहीं है क्योंकि वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम कितना सफल रहा है वह सामने हैं। बाहरमासी नदी-नाले तो अब कल्पना की बात हो गए हैं बल्कि बरसाती नदियां भी बरसात में एकाध बार ही पूरे वेग से बहती दिखती है। ऐसे में गंभीरता को तो समझा ही जा सकता है।

यह सोचना कि मानसून हमेशा सामान्य बना रहेगा, यह सोचना गलत होगा। जिस तरह वातावरण प्रदूषित हो रहा है, जंगल घटते जा रहे हैं, पेड़-पौधे कम हो रहे हैं वह किसी और की देन नहीं हमारे कारण ही हो रहा है। हालात यह हो गए हैं कि सर्दी में सर्दी नहीं और गर्मी में गर्मी को तरसने लगे हैं। इस बार तो बसंत की प्रतीक्षा करते रह गए। जनवरी-फरवरी में सर्दी तो फिर मार्च-अप्रैल में गर्मी का असर देखा गया।

बसंत कब आया और कब गया पता ही नहीं चला। कहने का अर्थ है कि प्रकृति के साथ छेड़छाड़ का परिणाम सामने हैं। प्राकृतिक विपदाएं अधिक होने लगी है। ग्लेशियरों में तेजी से बर्फ पिघल रही है, समय पर बर्फवारी कम होने लगी है। बेमौसम आंधी-ओलावृष्टि आम होती जा रही है। लिहाजा, मानसून को लेकर दीर्घकालीन रणनीति बनानी होगी ताकि कमजोर मानसून का जनजीवन और अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर नहीं पड़े। सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर इस दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

श्वेत क्रांति से पोषण क्रांति तक : दुग्ध क्षेत्र की नई उड़ान

प्रतिवर्ष 1 जून को दूध के पोषण महत्व तथा डेयरी क्षेत्र के योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से विश्व दुग्ध दिवस मनाया जाता है। यहां पर पाठकों को यह बताना चाहूंगा कि इसकी शुरुआत वर्ष 2001 में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा की गई थी तथा इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य दूध के पोषण मूल्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, डेयरी किसानों एवं दुग्ध उद्योग के योगदान को सम्मान देना, खाद्य सुरक्षा और पोषण में दूध की भूमिका को रेखांकित करना तथा सतत (सस्टेनेबल) डेयरी उत्पादन को बढ़ावा देना है।सच तो यह है कि यह दिवस ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में डेयरी क्षेत्र के महत्व को भी उजागर करता है।

पाठक जानते हैं कि हमारी सनातन भारतीय संस्कृति में तो दूध को अत्यंत पवित्र, सात्विक और संपूर्ण आहार माना गया है। हमारे यहां तो वैदिक काल से ही दूध का उपयोग पूजा-पाठ, यज्ञ और धार्मिक अनुष्ठानों में होता रहा है।भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं भी दूध, दही और माखन से जुड़ी हुई हैं तथा आयुर्वेद में दूध को स्वास्थ्य, बल और दीर्घायु का महत्वपूर्ण स्रोत बताया गया है।भारतीय ग्रामीण जीवन, कृषि और पशुपालन की परंपरा में दूध का विशेष स्थान है। दूध को प्राचीन काल से ही 'अमृत' अथवा 'पूर्ण आहार' माना गया है। इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन बी-12, विटामिन डी, फॉस्फोरस और पोटैशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्व संतुलित मात्रा में पाए जाते हैं। यही कारण है कि यह बच्चों, युवाओं और वृद्धों सभी के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। एक रोचक तथ्य यह भी है कि दूध में लगभग 87 प्रतिशत पानी होता है, फिर भी यह सफेद दिखाई देता है। इसका कारण इसमें मौजूद 'केसीन' नामक प्रोटीन तथा वसा के सूक्ष्म कण हैं। जब प्रकाश इन कणों से टकराता है तो वह सभी दिशाओं में समान रूप से बिखर जाता है, जिससे दूध सफेद दिखाई देता है। संस्कृत में बड़े ही खूबसूरत शब्दों में कहा गया है कि -क्षीरं बलकरं नित्यं, क्षीरं बुद्धिविवर्धनम्।क्षीरं आयुःप्रदं श्रेष्ठं, सर्वपोषणकारकम्॥ अर्थात दूध शरीर को बल, बुद्धि और आयु प्रदान करने वाला तथा संपूर्ण पोषण देने वाला श्रेष्ठ आहार है। आज बढ़ती वैश्विक जनसंख्या के बीच डेयरी क्षेत्र करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार बना हुआ है और ग्रामीण विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। देश का वार्षिक दुग्ध उत्पादन 240 मिलियन टन से अधिक हो चुका है और यह क्षेत्र करोड़ों ग्रामीण परिवारों की आय का प्रमुख स्रोत है। विश्व स्तर पर प्रतिवर्ष 930 मिलियन टन से अधिक दूध का उत्पादन होता है। वहीं, प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता के मामले में न्यूज़ीलैंड तथा कुछ यूरोपीय देश अग्रणी माने जाते हैं।

भारत को दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और विश्व का अग्रणी दुग्ध उत्पादक देश बनाने में 'ऑपरेशन फ्लड' अर्थात श्वेत क्रांति की ऐतिहासिक भूमिका रही है। सरल शब्दों में कहें तो भारत को दूध की कमी वाले देश से विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक बनाने का श्रेय इसी कार्यक्रम को जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 1970 में 'मिल्कमैन ऑफ इंडिया' के नाम से प्रसिद्ध डॉ. वर्गीज कुरियन के नेतृत्व में हुई थी।

यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि वैश्विक स्तर पर विश्व दुग्ध दिवस 1 जून को मनाया जाता है, जबकि भारत में प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को डॉ. वर्गीज कुरियन के जन्मदिवस के अवसर पर राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1970 में प्रारंभ हुआ 'ऑपरेशन फ्लड' उस समय दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण विकास कार्यक्रम माना गया था। बिल गेट्स सहित अनेक वैश्विक विचारकों ने इसे एकाधिकार और गरीबी के विरुद्ध सबसे सफल लोकतांत्रिक आंदोलनों में से एक बताया है, क्योंकि इसने किसी बड़ी कॉर्पोरेट कंपनी के बजाय सीधे छोटे किसानों को सशक्त बनाया। आज वैश्विक दुग्ध उत्पादन में लगभग एक-चौथाई योगदान भारत का है। इस दृष्टि से भारत को विश्व की दुग्ध महाशक्ति कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी। भारत के अतिरिक्त संयुक्त राज्य अमेरिका, पाकिस्तान, चीन, ब्राज़ील, जर्मनी, रूस, फ्रांस, न्यूज़ीलैंड और तुर्किये विश्व के प्रमुख दुग्ध उत्पादक देशों में शामिल हैं। वहीं, डेनमार्क भी अपने विकसित डेयरी उद्योग के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। कहना ग़लत नहीं होगा कि डेयरी क्षेत्र खाद्य सुरक्षा, पोषण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

आस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री के साथ संवाद की सह अध्यक्षता करेंगे राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स सोमवार को यहां भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा मंत्रियों के दूसरे संवाद की सह-अध्यक्षता करेंगे। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को बताया कि संवाद के दौरान दोनों देशों के नेता द्विपक्षीय रक्षा सहयोग की प्रगति की समीक्षा करेंगे तथा सहयोग के नए अवसरों की पहचान की जाएगी।

इस दौरान रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग को सुदृढ़ करने, सैन्य अंतर संचालनीयता को बढ़ाने, उद्योगों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने, जिसमें सह-विकास और सह-उत्पादन के अवसरों तथा पारस्परिक रुचि के क्षेत्रीय एवं वैश्विक सुरक्षा संबंधी विषयों पर प्रमुखता से चर्चा की जायेगी।

इस बैठक से द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को और अधिक मजबूत करने, रणनीतिक विश्वास एवं सहयोग को बढ़ाने, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा को प्रोत्साहित करने तथा रक्षा एवं सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलेगी। मार्ल्स की यह यात्रा पिछले वर्ष अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया में आयोजित प्रथम संवाद के बाद हो रही है और इससे भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी में बढ़ती गति का पता चलता है।

शिवराज ने 'खेत बचाओ अभियान' के शुभारंभ से पूर्व किया वर्चुअल संवाद

नई दिल्ली, एजेंसी।

मध्य प्रदेश के रायसेन जिले से एक जून को होने वाले 'खेत बचाओ अभियान' के राष्ट्रीय शुभारंभ से पूर्व, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को देशभर के कृषि विज्ञान केंद्रों, आईसीएआर संस्थानों, कृषि विश्वविद्यालयों और केंद्र व राज्य सरकारों के वरिष्ठ कृषि अधिकारियों के साथ ऑनलाइन मोड में बात करके इस अभियान को जनभागीदारी, वैज्ञानिक दृष्टि और राष्ट्रीय दायित्व के साथ आगे बढ़ाने का आह्वान किया। यहां जारी एक सरकारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी। इसमें बताया कि श्री सिंह ने इस महत्वपूर्ण अभियान में शामिल होने के लिए सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से फोन पर चर्चा की और साथ ही वे केंद्रीय मंत्रियों और अन्य सभी जनप्रतिनिधियों से भी सहभागिता की अपील की है।

इस अवसर पर चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि यह केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि धरती को बचाने, खेती का भविष्य सुरक्षित करने और आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों की रक्षा करने का राष्ट्रीय अभियान है। उन्होंने कहा कि बढ़ता तापमान, रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का असंतुलित इस्तेमाल, मिट्टी के स्वास्थ्य में गिरावट और बदलते जलवायु संकट खेती के सामने गंभीर चुनौती बनकर खड़े हैं, इसलिए समय रहते व्यापक जागरूकता और हस्तक्षेप जरूरी है।

श्री चौहान ने बताया कि एक जून को रायसेन जिले के रामसिया गांव से प्रारंभ हो रहा राष्ट्रव्यापी 'खेत बचाओ अभियान' किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग और मिट्टी परीक्षण, सॉयल हेल्थ कार्ड और प्राकृतिक खेती, फसल चयन और जल संरक्षण, हरी खाद और कम वर्षा की स्थिति में वैकल्पिक कृषि पद्धतियां, नकली खाद, बीज और पेस्टिसाइड की पहचान को लेकर जागरूकता का प्रसार किया जायेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल सलाह देना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि खेत स्तर पर डेमो, वैज्ञानिक प्रमाण और व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से किसानों का विश्वास मजबूत करना होगा।

केंद्रीय मंत्री ने निर्देश दिए कि देशभर में 30 जून तक का विस्तृत रोडमैप तैयार किया जाए, जिसमें यह स्पष्ट हो कि कौन अधिकारी, वैज्ञानिक, संस्थान या टीम किस तिथि को किस गाँव में जाएगी।

उन्होंने कहा कि हर जिले का कार्यक्रम पूर्व नियोजित हो, डैशबोर्ड आधारित मॉनिटरिंग हो, स्थानीय स्तर पर समुचित व्यवस्थाएँ सुनिश्चित हों और अभियान के हर चरण में प्रभावी समन्वय दिखाई दे। उन्होंने सांसदों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों को भी अभियान से जोड़ने तथा प्राकृतिक खेती व टिकाऊ कृषि के व्यवहारिक नमूने प्रस्तुत करने पर बल दिया।

सिंह ने कहा कि अभियान को बहुउद्देशीय स्वरूप देते हुए किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, सॉयल हेल्थ कार्ड, मिनी बीज किट, दलहन-तिलहन मिशन तथा कृषि यंत्रीकरण जैसी योजनाओं का लाभ भी किसानों तक पहुँचाया जाए। इससे खेत बचाने के साथ-साथ किसान की आय, जागरूकता और कृषि प्रबंधन क्षमता को भी मजबूत किया जा सकेगा।

केंद्रीय मंत्री ने प्रचार-प्रसार को अभियान का अहम हिस्सा बताते हुए अधिकारियों और वैज्ञानिकों से कहा कि वे बिना संकोच मीडिया से संवाद करें, क्योंकि यह अभियान धरती, खेती और अन्नदाता के भविष्य से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जैसे पूर्व में विकसित कृषि संकल्प अभियान ने व्यापक प्रभाव छोड़ा, उसी प्रकार 'खेत बचाओ अभियान' भी देशव्यापी जनजागरण और कृषि सुधार का सफल अध्याय बनेगा।

अभिषेक बनर्जी ने हमले को बताया 'सुनियोजित राजनीतिक हिंसा'

कोलकाता, एजेंसी।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी ने हाल ही मं खुद पर हुए हमले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रशासन पर निशाना साधते हुए इस घटना को सुनियोजित राजनीतिक हिंसा और लोकतंत्र पर हमला करार दिया है। रविवार को अपने व्हाट्सएप चैनल पर पोस्ट किए गए संदेशों में श्री बनर्जी ने इस घटना के बाद समर्थन और एकजुटता दिखाने के लिए सर्वश्री अखिलेश यादव, हेमंत सोरेन, मल्लिकार्जुन खड़गे, तेजस्वी यादव और अरविंद केजरीवाल सहित कई विपक्षी नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। इससे पहले उन्होंने खुद का पक्ष लेने के लिए राहुल गांधी को भी धन्यवाद दिया था।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के संदेश का जवाब देते हुए श्री बनर्जी ने उन दावों को खारिज कर दिया कि यह घटना कुछ उपद्रवी तत्वों का काम थी। उन्होंने आरोप लगाया कि अग्रिम सूचना होने के बावजूद प्रशासन कार्रवाई करने में विफल रहा। उन्होंने लिखा, अखिलेश जी, आपके समर्थन और एकजुटता के लिए मैं गहराई से आभारी हूँ। कल जो कुछ भी हुआ वह कुछ उपद्रवी तत्वों की करतूत नहीं था। उन्होंने कहा, यह लापरवाही नहीं थी। यह जिम्मेदारी से जानबूझकर पीछे हटना था जिसने सुनियोजित राजनीतिक हिंसा का रास्ता साफ किया।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भेजे संदेश में श्री बनर्जी ने दावा किया कि इस घटनाक्रम में विपक्ष को डराने के लिए राज्य-प्रायोजित और केंद्र-समर्थित प्रयास के सभी लक्षण दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि जब सरेआम हिंसा होती है और प्रशासन मूकदर्शक बना रहता है, तो यह केवल कानून-व्यवस्था की विफलता नहीं रह जाती, बल्कि लोकतंत्र पर एक जानबूझकर किया गया हमला बन जाती है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को संबोधित करते हुए श्री बनर्जी ने भाजपा पर राजनीतिक विरोधियों को चुप कराने और लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा कि ऐसे समय में जब विपक्षी नेताओं पर दिन-दिहाड़े हमले हो रहे हैं, भाजपा शासन एक बार फिर लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी अवमानना को उजागर कर रहा है। राजद नेता तेजस्वी यादव को धन्यवाद देते हुए टीएमसी नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा के शासन में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव लगातार बढ़ रहा है और भय, धमकी तथा राजनीतिक शत्रुता के माहौल में लोकतंत्र का दम घोंटा जा रहा है।

कांग्रेस का केंद्र सरकार पर हमला

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य क्षेत्र में स्थित केटे एक्सटेंशन कोल ब्लॉक में कोयला खनन को मंजूरी दिए जाने को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की है। पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को आरोप लगाया कि प्रस्तावित खनन परियोजना से देश के सबसे महत्वपूर्ण वन क्षेत्रों में से एक की पारिस्थितिकी, जैव विविधता और आदिवासी समुदायों के जीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। रमेश ने कहा कि जिस कोल ब्लॉक को मंजूरी दी गई है, उसका लगभग 98 प्रतिशत हिस्सा प्राकृतिक साल वनों से आच्छादित है। उनके अनुसार इस परियोजना के चलते करीब 4.48 लाख पेड़ों की कटाई हो सकती है, जिससे तेंदुओं, स्लॉथ भालुओं और हाथियों सहित कई वन्य प्रजातियों के आवास प्रभावित होंगे।

तमिलनाडु में राज्यसभा उपचुनाव के लिए नामांकन आज से शुरू

चेन्नई, एजेंसी।

तमिलनाडु में राज्यसभा की एकमात्र सीट पर 18 जून को होने वाले उपचुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया सोमवार से शुरू होने जा रही है। इस सीट पर मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्रि कषगम (टीवीके) का उच्च सदन में खाता खुलना पूरी तरह तय माना जा रहा है। विधानसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन के बाद अपने पहले ही प्रयास में सरकार बनाने वाली टीवीके के लिए यह सफलता दोहरी खुशी लेकर आई है। यह सीट अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) के सीवी षणमुगम के इस्तीफे के बाद खाली हुई है।

षणमुगम ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में अपने गृह जिले विल्लुपुरम के मैलम निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की थी, जिसके बाद उन्होंने सात मई को इस्तीफा दे दिया था। हालांकि उनका कार्यकाल 29 जून, 2028 को समाप्त होना था, लेकिन उनके इस्तीफे के कारण यह उपचुनाव कराना पड़ रहा है। राज्य विधानसभा में टीवीके सबसे बड़ा दल होने के कारण इस एकमात्र सीट पर निर्विरोध जीत हासिल करने की मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही पार्टी गठन और पहली बार चुनावी मैदान में उतरकर सरकार बनाने के महज दो साल के भीतर वह संसद के उच्च सदन में कदम रखने के लिए तैयार है। हालांकि, अभी यह देखना बाकी है कि क्या टीवीके इस सीट को अपने पास रखेगी या इसे कांग्रेस को आवंटित करेगी।

सार समाचार

अरुणाचल में भाजपा प्रमुख ने खांडू के प्रति समर्थन दोहराया

ईटानगर,एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष कालिंग मोयोंग ने रविवार को राज्य के नेतृत्व में संभावित बदलाव की अफवाहों को खारिज करते हुए मुख्यमंत्री खांडू के प्रति अपना समर्थन दोहराया। मोयोंग ने कहा कि पार्टी आलाकमान द्वारा केंद्रीय या राज्य स्तर पर ऐसा कोई भी फैसला नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें बेबुनियाद हैं। उन्होंने जनता से गलत सूचनाओं से गुमराह नहीं होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, पार्टी आलाकमान द्वारा, चाहे केंद्र में हो या राज्य में नेतृत्व में किसी भी बदलाव को लेकर कोई फैसला नहीं लिया गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी के रूख को दोहराते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पेमा खांडू को पार्टी नेतृत्व का पूरा भरोसा और समर्थन प्राप्त है। मोयोंग ने श्री खांडू द्वारा अरुणाचल प्रदेश का नेतृत्व करते रहने की बात कही और पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं जनता से बेबुनियाद अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा सरकार के विकास एजेंडे पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की। गौरतलब है कि यह स्पष्टीकरण ऐसे समय में आया है जब कुछ हलकों में राज्य के राजनीतिक नेतृत्व में संभावित बदलाव को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं।

उपराष्ट्रपति ने औद्योगिक पार्क का उद्घाटन किया

बेलथांगडी,एजेंसी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को धर्मस्थल से कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के बेलथांगडी में स्थित सिरी मातृश्री औद्योगिक पार्क का उद्घाटन किया। सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि समृद्ध ग्रामीण भारत का सपना सही अर्थों में सिरी जैसी संस्थाओं के माध्यम से ही साकार हो सकता है, जिन्होंने आजीविका सृजन और उद्यमिता के जरिए हजारों महिलाओं तथा ग्रामीण परिवारों को सशक्त बनाया है। क्षेत्र धर्मस्थल द्वारा प्रतिपादित मूल्यों के बारे में बोलते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय सभ्यता ने हमेशा सभी धर्मों का सम्मान किया है और इस बात पर जोर दिया है कि भक्ति, धर्म से परे, सामाजिक सद्भाव और नैतिक शक्ति में योगदान देती है। धर्मनिरपेक्षता की भावना को संरक्षित करने के महत्व पर जोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि सभी धर्मों के साथ समान सम्मान और गरिमा का व्यवहार किया जाना चाहिए।

एडमिरल स्वामीनाथन ने नौसेना प्रमुख का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली,एजेंसी।

एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन ने रविवार को यहां 27वें नौसेना प्रमुख का कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी का स्थान लिया जो 41 वर्षों की विशिष्ट सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए। एडमिरल स्वामीनाथन को एक जुलाई 1987 को भारतीय नौसेना में कमीशन मिला था। संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्धकला विशेषज्ञ के रूप में उन्होंने लगभग चार दशकों के विशिष्ट सैन्य जीवन में अनेक परिचालन, स्टाफ तथा प्रशिक्षण संबंधी नियुक्तियों पर कार्य किया है। एडमिरल स्वामीनाथन की समुद्री कमानों में निर्देशित प्रक्षेपास्त्र पोत आईएनएस विद्युत और आईएनएस विनाश, निर्देशित प्रक्षेपास्त्र कार्वेट,आईएनएस कुलिश, निर्देशित प्रक्षेपास्त्र विध्वंसक आईएनएस मैसूर तथा विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य शामिल हैं।

रियर एडमिरल पद पर पदोन्नति के बाद उन्होंने कोच्चि स्थित दक्षिणी नौसैनिक कमान मुख्यालय में मुख्य स्टाफ अधिकारी (प्रशिक्षण) के रूप में सेवा दी।

छह नागा नागरिकों की रिहाई के लिये केंद्र से हस्तक्षेप की मांग

दीमापुर,एजेंसी। नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो ने मणिपुर में अगवा किये गये छह नागा लोगों का पता लगाने और उनकी सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने के लिये केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय गृह सचिव और खुफिया ब्यूरो (आईबी) के निदेशक के साथ फोन पर बातचीत की और उनसे तत्काल हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। रियो ने उनसे अपहरण के लिये जिम्मेदार लोगों की पहचान करने और कानून के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों ने इस मामले को उच्च प्राथमिकता दी है।

उत्तराखंड की जनता चाहती है प्रदेश में बदलाव: शैलजा

देहरादून,एजेंसी।

आगामी 4 और 5 जून को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दो दिवसीय उत्तराखंड दौरे की तैयारी का जायजा लेने के लिए रविवार को पार्टी की प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा यहां पहुंची। उनके साथ कांग्रेस के सह प्रभारी सुरेंद्र शर्मा और मनोज यादव भी पहुंचे हैं। कुमारी शैलजा ने देहरादून में पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पदाधिकारियों की बैठक में कहा कि उत्तराखंड की जनता अब यहां बदलाव चाहती है।

इससे पहले उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, और चुनाव प्रबंधन समिति अध्यक्ष डॉ हरक सिंह रावत के साथ राहुल गांधी के हरिद्वार बाईपास पर प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद प्रदेश मुख्यालय में पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रभारी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 2027 के राज्य विधानसभा चुनाव को गंभीरता से ले रहे हैं। इसीलिए चुनाव से काफी पहले उन्होंने राज्य को दो दिन का समय दिया है जिसमें वह चार जून को अल्मोड़ा में जनसभा को संबोधित करेंगे और उसी दिन पौड़ी में पूर्व सैनिकों से संवाद करेंगेम जबकि 5 जून को देहरादून में पार्टी पदाधिकारीयो से संवाद करेंगे।

सुश्री शैलजा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष श्री गांधी का यह दौरा महत्वपूर्ण है और वह इस बात की ओर इशारा करता है कि वह उत्तराखंड की जनता के हर सुख दुःख में हमेशा साथ खड़े रहते हैं। उत्तराखंड के मुद्दों को हमेशा प्राथमिकता के साथ उठाते हैं। उनका दौरा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में जोश भरने का काम करेगा और वह जोश 2027 का विधानसभा चुनाव जिताने का काम करेगा। कांग्रेस प्रदेश प्रभारी ने कहा कि आज उत्तराखंड सरकार में आपसी तालमेल की बहुत कमी है। भाजपा नेता, विधायक और मंत्री अंतर कलह में उलझे हुए हैं।

यह समय प्रदेश में बदलाव का है। जनता सरकार के कामकाज से खुश नहीं है। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए और प्रदेश में बदलाव के लिए कमर कस लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के प्रति पदाधिकारी और कार्यकर्ता को अब राहुल गांधी के दौरे पर ध्यान केंद्रित कर कार्यक्रम की सफलता पर पूरी शक्ति लगा देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि श्री गांधी अल्मोड़ा की जनसभा में राज्य के मुद्दों को उठाने का काम करेंगे, क्योंकि भाजपा सरकार राज्य में जनहित के मुद्दों की लगातार उपेक्षा कर रही है।

तंबाकू निषेध दिवस पर ब्रह्मकुमारी सदस्यों ने लोगों को किया जागरूक

प्रयागराज, साहस समाचार।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा बाघम्बरी पीठाधीश्वर श्री श्री 108 बलवीर गिरी जी महाराज के सौजन्य से संगम के विश्व प्रसिद्ध लेटे हनुमान मंदिर प्रांगण में, विश्व तंबाकू निषेध दिवस, 31 मई को जन जागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन एडीएम सिटी विनोद सिंह के द्वारा किया गया। इस अवसर पर व्यसन मुक्ति प्रदर्शनी का अवलोकन पुर्व सांसद केसरी देवी पटेल, पार्षद कटरा, श्रीमती सोनिका अग्रवाल एवं पूर्व पार्षद आनंद अग्रवाल ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

प्रदर्शनी में डॉ अर्पण धर दुबे गवर्नर लाइंस क्लब एवं डॉ एस के शुक्ला पदाधिकारी लायंस क्लब प्रयागराज द्वारा लोगों को मुफ्त सलाह एवं दवाएं भी दी गई।

प्रदर्शनी में लोगों को ब्रह्माकुमारीज के नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत तंबाकू सहित अन्य व्यसनों के कारण, निवारण एवं दूरगामी परिणामों के बारे में बताया गया। ब्रह्माकुमारीज के सदस्यों ने नुक्कड़ नाटक आदि के द्वारा भी लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया। साथ ही लोगों को वैल्यू गेम्स द्वारा नशे से दूर रहने तथा राजयोग के द्वारा नशा मुक्त जीवन जीने के बारे में भी बताया गया।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज की क्षेत्रीय निर्देशिका मनोरमा दीदी ने प्रदर्शनी का संचालन किया तथा बताया ब्रह्माकुमारीज से जुड़े 10 लाख से अधिक सदस्यों में एक व्यक्ति भी किसी भी प्रकार के मादक द्रव्यों का सेवन नहीं करता। यदि कोई भी व्यक्ति राजयोग का नियमित अभ्यास करता है तो वह नशे से दूर रहता है तथा यदि पहले से किसी नशे का सेवन करता भी है तो आसानी से छोड़ सकता है। मंदिर प्रांगण में उपस्थित हजारों की संख्या में लोगों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर व्यसन मुक्त जीवन जीने का प्रण किया।

कविता ने 'रायतु डिस्कॉम' के पीछे साज़िश का लगाया आरोप

हैदराबाद,एजेंसी। तेलंगाना रक्षा सेना (टीआरएस) की अध्यक्ष के. कविता ने रविवार को आरोप लगाया कि किसानों के लिए एक अलग 'रायतु डिस्कॉम स्थापित करने की साज़िश रची जा रही है, जिससे तेलंगाना में बिजली वितरण कंपनियों के निजीकरण का रास्ता साफ हो जाएगा। सुश्री कविता ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मांग की कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी किसानों को औपचारिक रूप से आश्वासन दें कि 24 घंटे मुफ्त बिजली की आपूर्ति जारी रहेगी और कृषि मोटरों पर मीटर नहीं लगाये जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने इस मुद्दे को छह महीने तक गुप्त रखा।

केरल में दो जून से दक्षिण भारत का सबसे बड़ा नशा-विरोधी अभियान शुरू होगा

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी।

केरल सरकार दो जून से 'ऑपरेशन तूफान : द नार्को हंट' नाम से दक्षिण भारत का सबसे बड़ा नशा-विरोधी अभियान शुरू कर रही है। ऑपरेशन तूफान का मुख्य मकसद राज्य में विशेषकर शैक्षणिक संस्थानों के आसपास मादक पदार्थों के वितरण नेटवर्क और ड्रग सिंडिकेट का आमूल-चूल उन्मूलन है। राज्य के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने पदभार संभालने के तुरंत बाद इस पहल की घोषणा की थी। यह संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है। इस अभियान में नशीले पदार्थों के गिरोहों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ बड़े पैमाने पर जन जागरूकता और भागीदारी अभियान भी शामिल है। इसका उद्देश्य खासकर युवाओं के बीच नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को रोकना है।

इस ऑपरेशन का लक्ष्य तकनीकी उपायों और कई सरकारी विभागों के आपसी तालमेल से की गई कार्रवाई के माध्यम से सिंथेटिक नशीले पदार्थों के तेजी से फैलने पर रोक लगाना है।

केरल पुलिस जांच के आधुनिक तरीकों का इस्तेमाल करेगी और नशीले पदार्थों के तस्करों की पहचान करने, उन पर नजर रखने और उन पर मुकदमा चलाने के लिए दक्षिण भारतीय राज्यों के गृह विभागों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर काम करेगी।

महाराष्ट्र विधान परिषद के लिए भाजपा प्रत्याशियों की सूची जारी

मुंबई, एजेंसी।

भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र विधान परिषद द्विवार्षिक चुनाव और उपचुनाव 2026 के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। रविवार को पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के नामों को मंजूरी दे दी।

भाजपा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महाराष्ट्र विधान परिषद द्विवार्षिक चुनाव 2026 के लिए कुल 10 उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगाई गई है। वर्धा-चंद्रपुर-गढ़चिरौली स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र से अरुण लखानी को उम्मीदवार बनाया गया है। भंडारा-गोंदिया सीट से अविनाश ब्राह्मणकर, जबकि अमरावती से प्रवीण पोटे पाटिल को चुनावी मैदान में उतारा गया है। सांगली-सतारा सीट से धैर्यशील कदम, सोलापुर से राजेंद्र राऊत और अहिल्यानगर से प्राजक्त तनपुरे को पार्टी ने उम्मीदवार घोषित किया है। वहीं छत्रपति संभाजीनगर-जालना निर्वाचन क्षेत्र से सुहास शिरसाट को टिकट दिया गया है। इसके अलावा नांदेड़ सीट से अमर राजूरकर, धाराशिव-लातूर-बीड सीट से बसवराज पाटिल और जलगांव सीट से नंदकिशोर महाजन भाजपा के उम्मीदवार होंगे। वहीं महाराष्ट्र विधान परिषद उपचुनाव 2026 के लिए भी भाजपा ने अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है।

टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी डीएसजेए की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 165 रन बनाए। टीम के बल्लेबाजों ने उपयोगी योगदान देकर चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया

योगेश के तूफानी शतक से गोस्वामी गणेश दत्त आयोजन समिति की 5 विकेट से शानदार जीत

उदय सिंह मीणा

नई दिल्ली, साहस समाचार। सलामी बल्लेबाज योगेश की विस्फोटक और नाबाद शतकीय पारी की बदौलत गोस्वामी गणेश दत्त आयोजन समिति ने मोरी गेट स्थित सेंट स्टीफंस ग्राउंड पर खेले गए वार्षिक मैत्री क्रिकेट मुकाबले में दिल्ली स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (DSJA) को 5 विकेट से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। 166 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयोजन समिति की शुरुआत आत्मविश्वास से भरी रही। टीम के सलामी बल्लेबाज योगेश ने शुरू से ही आक्रामक तेवर अपनाते हुए डीएसजेए के गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। उन्होंने मैदान के चारों ओर आकर्षक शॉट्स लगाए और मात्र 15.2 ओवर में ही टीम को जीत दिला दी। योगेश ने नाबाद 102 रन की शानदार पारी खेलते हुए मैच को पूरी तरह एकतरफा बना दिया।

इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी डीएसजेए की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 165 रन बनाए। टीम के बल्लेबाजों ने उपयोगी योगदान देकर चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया, लेकिन गेंदबाज इस लक्ष्य का बचाव करने में सफल नहीं हो सके। योगेश की तूफानी बल्लेबाजी के सामने डीएसजेए का गेंदबाजी आक्रमण पूरी तरह बेअसर नजर आया।

मैच के दौरान दर्शकों को कई आकर्षक शॉट्स और रोमांचक क्षण देखने को मिले। हालांकि मुकाबले का सबसे बड़ा आकर्षण योगेश की शतकीय पारी रही, जिसने आयोजन समिति की जीत की नींव रखी।

संक्षिप्त स्कोरः दिल्ली स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (DSJA): 20 ओवर में 165 रन (सभी विकेट)। गोस्वामी गणेश दत्त आयोजन समितिः 15.2 ओवर में 166/5। योगेशः 102* रन।

पुरस्कार वितरण समारोहः मैच के उपरांत आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में डीडीसीए (DDCA) के संयुक्त सचिव अमित ग्रोवर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर डीडीसीए के पूर्व कोषाध्यक्ष पवन गुलाटी, डीएसजेए के अध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी सहित अनेक खेल प्रेमी एवं गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

विजेता टीम की ओर से कप्तान विकास कात्याल ने गोस्वामी गणेश दत्त आयोजन समिति की ट्रॉफी ग्रहण की। योगेश की शतकीय पारी और आयोजन समिति के दमदार प्रदर्शन ने इस वार्षिक मुकाबले को यादगार बना दिया।

पंजाब निकाय चुनाव प्रक्रिया के दौरान लोकतांत्रिक मूल्यों का हुआ उल्लंघन: सैनी

कपूरथला,एजेंसी।

● हरियाणा के मुख्यमंत्री ने नगर निगम और नगर परिषद चुनावों में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कहा कि पंजाब में वोटों की चोरी की गई।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को कपूरथला के शेखूपुर स्थित माता भद्रकाली मंदिर में माथा टेककर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर उन्होंने पंजाब के हालिया नगर निकाय चुनावों, कानून-व्यवस्था और राजनीतिक मुद्दों को लेकर पंजाब सरकार पर तीखा हमला बोला। सैनी ने हाल ही में संपन्न हुए नगर निगम और नगर परिषद चुनावों में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान लोकतांत्रिक मूल्यों का उल्लंघन हुआ और वोटों की चोरी की गई।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी मिलकर काम कर रहे हैं तथा बैलेट पेपर से चुनाव कराने का फैसला सत्ताधारी दल की हार के डर को दर्शाता है। वर्ष 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों को लेकर सैनी ने स्पष्ट किया कि भारतीय जनता पार्टी किसी अन्य दल के सहारे की मोहताज नहीं है और पार्टी अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने समर्पित कार्यकर्ताओं और नेताओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा भविष्य में पंजाब में पार्टी का प्रदर्शन और बेहतर होगा।

पंजाब भाजपा के नये अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए श्री सैनी ने कहा कि पार्टी संगठन लगातार मजबूत हो रहा है और कार्यकर्ता एकजुट होकर भाजपा के जनाधार का विस्तार करने में जुटे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह से जुड़े सवालों के जवाब में सैनी ने कहा कि भाजपा पूरी तरह एकजुट है और कैप्टन अमरिंदर सिंह पार्टी के वरिष्ठ एवं सम्मानित नेता हैं। उन्होंने कहा कि सभी नेता और कार्यकर्ता मिलकर संगठन को मजबूत बनाने में लगे हुए हैं।हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा है कि आम आदमी पार्टी की सरकार जनता से किये गये वादों को पूरा करने में विफल रही है। सैनी ने कपूरथला में पत्रकारों से बातचीत के दौरान आरोप लगाया कि निकाय चुनावों के दौरान लोकतांत्रिक मूल्यों की अनदेखी हुई और राज्य में कानून व्यवस्था लगातार कमजोर हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार को जनता को बताना चाहिए कि चुनावों के दौरान किये गये वादों में से कितने पूरे किये गये हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में विकास कार्य अपेक्षित स्तर पर नहीं हुए और गैंगस्टरवाद के कारण लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ी है।

नशे के खिलाफ चलाई गई मुहिम को लेकर भी उन्होंने कहा कि इसके अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आये हैं। सैनी ने कहा कि हरियाणा की डबल इंजन सरकार ने जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया है। आयुष्मान भारत और चिरायु योजना के माध्यम से लाखों परिवारों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिला है। उन्होंने दावा किया कि जनता विकास, सुशासन और जवाबदेही की राजनीति चाहती है तथा भविष्य में पंजाब में भी विकास आधारित राजनीति को समर्थन मिलेगा।

पंजाब-हरियाणा जल विवाद पर सैनी ने अपेक्षाकृत नरम रुख अपनाते हुए कहा कि पंजाब भी उनका अपना प्रदेश है और दोनों राज्यों के हितों को ध्यान में रखते हुए समाधान निकाला जाना चाहिए। उन्होंने संतों और गुरुओं की शिक्षाओं का हवाला देते हुए कहा कि इस मुद्दे को बातचीत और आपसी सहयोग से सुलझाया जाना चाहिए, न कि विवाद का रूप दिया जाना चाहिए।

सार समाचार

विधायक प्रीतम लोधी का बयान सोशल मीडिया पर वायरल

शिवपुरी,एजेंसी। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले के पिछोर क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के विधायक प्रीतम लोधी का एक बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने क्षेत्र के पूर्व दस्यु सरगना रहे रामबाबू गडरिया को अपना मित्र और भाई बताया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज अहिल्याबाई जयंती के अवसर पर पाल समाज के एक कार्यक्रम में संबोधित करते हुए विधायक प्रीतम लोधी ने कहा कि रामबाबू गडरिया परिस्थितियों के कारण डाकू बना था। उन्होंने कहा कि वह उनका मित्र और भाई था तथा दोनों सुख-दुख के साथी रहे हैं। विधायक ने यह भी कहा कि उसे सामंती शक्तियों द्वारा डाकू बनने के लिए विवश किया गया था। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने रामबाबू गडरिया के चित्र पर माल्यार्पण भी किया।

नाइट क्लब में विवाद, युवाओं ने श्रीलंकाई लड़की को कार से कुचला

चेन्नई,एजेंसी। चेन्नई में एक नाइट क्लब में डांस करने को लेकर हुये झगड़े के कारण एक किशोर लड़की की जान चली गयी। मृतका को श्रीलंकाई नागरिक और विल्लुपुरम जिले में स्थित श्रीलंकाई पुनर्वास शिविर की निवासी बताया जा रहा है। गुस्साये युवाओं ने शनिवार देर रात व्यस्त कोयम्बेडु इलाके में उसकी मोटरसाइकिल को अपनी कार से कुचल दिया। पुलिस ने रविवार को कहा कि पीड़ित लड़की की 17 वर्षीय सहेली को गंभीर चोटें आयी हैं और उसे इलाज के लिये अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस ने युवाओं के गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है जबकि बाकी अपराधियों की तलाश जारी है।

यह सब नाइट क्लब में डांस करने के दौरान श्रीलंकाई तमिल बतायी जा रही लड़की और युवाओं के गिरोह के बीच हुई कहासुनी से शुरू हुआ।

हिमाचल निगम चुनावों में भाजपा ने मंडी, धर्मशाला, सोलन में शानदार जीत दर्ज की

शिमला,एजेंसी।

हिमाचल प्रदेश में रविवार को घोषित हुए नगर निगम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश के चार नगर निगमों में से तीन में शानदार जीत दर्ज की और मंडी, धर्मशाला एवं सोलन पर कब्जा जमाया जबकि सत्तारूढ़ कांग्रेस पालमपुर में अपनी सीट बरकरार रखने में कामयाब रही।

इस परिणाम को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार और विपक्षी भाजपा के बीच 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले एक महत्वपूर्ण राजनीतिक रस्साकस्सी के रूप में देखा जा रहा है।

हाल ही में संपन्न हुए नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों के विपरीत चारों नगर निगमों के चुनाव पार्टी चिन्हों पर लड़े गए थे। परिणामों के अनुसार, भाजपा ने मंडी, धर्मशाला और सोलन नगर निगमों में स्पष्ट बहुमत प्राप्त कर लिया है जिससे राज्य में पार्टी का शहरी आधार मजबूत हुआ है। हालांकि, पालमपुर नगर निगम में कांग्रेस विजयी रही जिससे विपक्ष की पूर्ण विजय टल गई। ये नतीजे शहरी स्थानीय निकाय चुनावों के दो सप्ताह बाद आए हैं जिनमें भाजपा और कांग्रेस दोनों ने 25 नगर परिषदों और 22 नगर पंचायतों में जीत का दावा किया था, जहां चुनाव पार्टी लाइनों पर नहीं लड़े गए थे। नगर निगम चुनाव को ज्यादा प्रत्यक्ष राजनीतिक परीक्षा माना जा रहा है क्योंकि उम्मीदवारों ने आधिकारिक पार्टी के बैनर तले चुनाव लड़ा था। जहां एक ओर मंडी, धर्मशाला और सोलन जैसे प्रमुख शहरों में भाजपा ने अपना समर्थन मजबूत किया है वहीं पालमपुर में कांग्रेस के प्रदर्शन से संकेत मिलता है कि सत्ता विरोधी लहर का सामना करने के बावजूद सत्तारूढ़ पार्टी कुछ क्षेत्रों में अपना प्रभाव बनाए हुए है।

नगर निगम चुनावों में भारी मतदान हुआ जिसमें 17 मई को चारों नगर निगमों में 63.65 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया। सभी नगर निगमों में पालमपुर में सबसे अधिक 68.97 प्रतिशत मतदान हुआ उसके बाद मंडी में 68.78 प्रतिशत एवं धर्मशाला में 60.01 प्रतिशत मतदान हुआ जबकि सोलन में सबसे कम 58.32 प्रतिशत मतदान हुआ। इन नतीजों से राज्य में राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की उम्मीद है और दोनों प्रमुख दल इस फैसले को भविष्य के चुनावी मुकाबलों से पहले जनता की भावनाओं के संकेत के रूप में देख सकते हैं।

मरांडी सरेआम माफी मांगें, नहीं तो एफआईआर दर्ज कराऊंगा: अंसारी

जामताड़ा,एजेंसी।

झारखंड विधानसभा में विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी द्वारा स्वास्थ्य विभाग में घोटाले एवं अनियमितता के लगाए आरोप पर स्वास्थ्य मंत्री ने पलटवार किया है। इरफान अंसारी ने कहा है कि आरोप को साबित करें, अन्यथा एफआईआर दर्ज कराऊंगा। मंत्री इरफान अंसारी ने मीडिया से बातचीत में कहा, मैं बाबूलाल मरांडी से कहूंगा कि आपके पास सिर्फ चार दिन बचे हैं।

मैं कुछ नहीं सुनूंगा, आपको सबूत देना ही होगा। मैं फिर से कहूंगा कि अगर आप चार दिनों में सबूत नहीं देते हैं, तो मैं निश्चित रूप से आपके खिलाफ एफआईआर दर्ज करूंगा। मैं किसी की नहीं सुनूंगा, क्योंकि मेरी छवि खराब हुई है। बेबुनियाद आरोप लगाने से स्वास्थ्य विभाग की छवि खराब हो रही है, ये परंपरा ठीक नहीं है। बाबूलाल मरांडी पर या तो एफआईआर होगा या उन्हें मुझसे सरेआम माफी मांगनी होगी।

क्रिकेट जगत में अपनी विस्फोटक बल्लेबाज़ी, अद्भुत प्रतिभा और कम उम्र में ही पूरे देश को प्रभावित करने वाले वैभव सूर्यवंशी को झारखंड स्वास्थ्य विभाग का ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की गई है। इस संबंध में इरफान अंसारी ने कहा, जब मैंने आईपीएल में वैभव सूर्यवंशी का खेल देखा, तो मैं दंग रह गया। मैंने अपने जीवन में कभी इतना महान क्रिकेटर नहीं देखा। मैं खुद भी क्रिकेटर हूं, अच्छा खेलता हूं। मैंने कई लोगों के मैच भी देखे हैं। मैंने कई महान बल्लेबाजों को खेलते देखा है, लेकिन वैभव ने सबको फेल कर दिया। आप कह सकते हैं कि वह क्रिकेट के भगवान हैं। मुझे लगता है कि उनके पास एआई तकनीक है, वह एआई की तरह बल्लेबाजी करते हैं। इसलिए मैंने वैभव सूर्यवंशी को स्वास्थ्य विभाग का ब्रांड एंबेसडर बनाने का निर्णय लिया है। मैं जल्द ही वैभव को आमंत्रित करूंगा और सम्मानित भी करूंगा। मंत्री इरफान अंसारी ने आगे कहा, मैं स्वास्थ्य विभाग में अच्छा काम कर रहा हूं। जब लोग आपके काम में कमियां गिनाने लगे तो समझ लीजिए आप अच्छा काम कर रहे हैं। मेरे अच्छे काम को कुछ लोग पचा नहीं पा रहे हैं।

देवी अहिल्याबाई ने सदियों पहले रखी राष्ट्र जागरण की नींव: डॉ. मोहन यादव

इंदौर,एजेंसी।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने लगभग तीन शताब्दी पहले ही राष्ट्र जागरण, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सुशासन की मजबूत नींव रख दी थी। डॉ. यादव आज यहां गांधी हाल में आयोजित पुण्य श्लोका लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती उत्सव समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकमाता का शासन-प्रशासन रामराज्य की याद दिलाता है। उस समय की बड़ी-बड़ी राजसत्ताओं के बीच उन्होंने अपने राजकौशल से सुशासन के नए प्रतिमान स्थापित किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवी अहिल्याबाई ने केवल एक कुशल शासक के रूप में ही नहीं, बल्कि धर्म, समाज और संस्कृति की संरक्षक के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने देशभर में अनेक मंदिरों और तीर्थस्थलों का जीर्णोद्धार कर भारतीय आस्था और सनातन संस्कृति को नई ऊर्जा प्रदान की। उन्होंने कहा कि लोकमाता ने राष्ट्रवासियों को आत्मसम्मान के साथ जीना और उसके लिए संघर्ष करना भी सिखाया।

नौकरियां पैदा करने के दर्शन में विश्वास करते हैं तुषार केवते

पुणे,एजेंसी। महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वरोजगार और स्टार्ट-अप में निवेश के अभियान को उद्यमी तुषार केवते ने बुलंदी पर पहुंचा दिया है। उल्लेखनीय है कि श्री तुषार केवते एक ऐसे शख्स का नाम है, जो प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर और औद्योगिक उद्यमी हैं और वे 'नौकरियां पैदा करने वाले, न कि खोजने वाले' के दर्शन में विश्वास रखते हैं।

जहां युवा पेशेवर नौकरी खोजने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वहीं श्री केवते ने दूसरों के लिए अवसर पैदा करने को ही अपना करियर बना लिया है।

उन्हें इस बात का एहसास था कि बहुत से लोग स्वरोजगार के क्षेत्र में और न ही स्टार्ट-अप शुरू करने में कामयाब हो पाएंगे। केवते ने बताया, मैं नौकरी देने वाला हूं, नौकरी खोजने वाला नहीं। केवते की यह सोच उनके दृढ़ संकल्प, आत्मनिर्भरता और एक उद्यमी की दूरदृष्टि को दर्शाती है। उ

शिक्षित, आत्मनिर्भर एवं सशक्त मातृ शक्ति ही देश और समाज की प्रगति का आधार: भजनलाल

जयपुर, एजेंसी।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर का जीवन यह संदेश देता है कि शिक्षित, आत्मनिर्भर एवं सशक्त मातृ शक्ति ही देश और समाज की प्रगति का आधार है और उनके आदर्श वर्तमान में विकसित भारत एवं विकसित राजस्थान की नींव है। शर्मा रविवार को यहां बिड़ला ऑडिटोरियम में अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती पर प्रदेश स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर ने सेवा और न्याय को शासन का आधार बनाया।

समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के साथ ही देशभर में धार्मिक स्थलों के उत्थान के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को नयी ऊर्जा प्रदान की। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई ने काशी विश्वनाथ मंदिर सहित अनेक तीर्थस्थलों के पुनरुद्धार में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ ही तीर्थराज पुष्कर में भी सरोवर के घाटों का निर्माण करवाया। धर्म और आस्था के साथ ही देवी होल्कर प्रशासनिक कुशलता तथा सैन्य नेतृत्व के लिए भी जानी जाती थीं। सेना में उन्होंने महिला सैन्य टुकड़ी का गठन कर अपनी दूरदृष्टि का परिचय दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुत्रियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आत्मनिर्भर बनने के अवसर प्रदान करना ही लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों का वास्तविक अनुसरण है। इसी दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में महिला शिक्षा, महिला सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। साथ ही हमारी सरकार ने बजट में घुमन्तू एवं अर्द्धघुमन्तू समाज के बच्चों के लिए स्कूल ऑन व्हील्स की घोषणा की है। उन्होंने आश्वस्त करते हुए कहा कि समाज के छात्र-छात्राओं के लिए जयपुर में छात्रावास निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के कार्यों के अनुरूप ही आज देश में श्री मोदी के नेतृत्व में सांस्कृतिक पुनर्जागरण हो रहा है। अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, केदारनाथ धाम का पुनर्विकास, महाकाल लोक का निर्माण तथा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व इसके उदाहरण हैं।

आंध्र प्रदेश: खड़ी लॉरी से टकराई बस, तीन की मौत

विशाखापत्तनम,एजेंसी। आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम जिले के गाजुवाका क्षेत्र में रविवार को आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (एपीएसआरटीसी) की एक बस के खड़े ट्रक से टकरा जाने से चालक सहित तीन लोगों की मौत हो गयी, जबकि नौ अन्य यात्री घायल हो गये। पुलिस के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त बस राजमहेंद्रवरम से पार्वतीपुरम जा रही थी। राष्ट्रीय राजमार्ग पर गाजुवाका के निकट बस एक खड़े ट्रक से जा टकरायी। हादसे में बस चालक रामबाबू , यात्री गंगुलु और लेंका ईश्वरम्मा की मौके पर ही मौत हो गई। घायल नौ यात्रियों को किंग जॉर्ज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया है। राज्य के परिवहन मंत्री तथा विधायक और तेलुगु देशम पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना।

मन की बात में छत्तीसगढ़ की प्रतिभा एवं विरासत का उल्लेख गौरव का विषय: साय

रायपुर,एजेंसी।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में छत्तीसगढ़ के युवा धावक अनिमेष कुजूर और बिलासपुर जिले के ऐतिहासिक मल्हार की सांस्कृतिक धरोहर का उल्लेख किया जाना पूरे प्रदेश के लिए गौरव, प्रेरणा और आत्मविश्वास का विषय है। मुख्यमंत्री ने रविवार को राजधानी रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों और आमजनों के साथ 'मन की बात' की 134वीं कड़ी सुनी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जब देश का सर्वोच्च नेतृत्व किसी राज्य की प्रतिभा और उपलब्धियों का उल्लेख करता है, तो यह केवल व्यक्तियों का सम्मान नहीं, बल्कि प्रदेशवासियों की आकांक्षाओं और पहचान को राष्ट्रीय प्रतिष्ठा दिलाने का कार्य करता है।

उन्होंने प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'मन की बात' देशभर की सकारात्मक पहल, नवाचार, प्रतिभाओं और प्रेरक जीवन यात्राओं को राष्ट्रीय पहचान देने का सशक्त मंच बन चुका है। साय ने कहा कि जशपुर जिले के घुइटांगर गांव से निकलकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले युवा धावक अनिमेष कुजूर का उल्लेख कर प्रधानमंत्री ने प्रदेश के युवाओं को यह संदेश दिया है कि सीमित संसाधन सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकते। उन्होंने कहा कि अनिमेष ने 100 मीटर दौड़ 10.15 सेकंड में पूरी कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है तथा राष्ट्रमंडल खेल 2026 के लिए क्वालीफाई कर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री और अनिमेष कुजूर के बीच हुआ संवाद युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। कोविड काल में खेलों के प्रति रुचि बढ़ने से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने की उनकी यात्रा यह साबित करती है कि दृढ़ संकल्प और मेहनत से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने खेलों में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा और टीम भावना का संदेश देते हुए खिलाड़ियों को एक-दूसरे को चुनौती देने के साथ सहयोग की भावना बनाए रखने की प्रेरणा दी है। राज्य सरकार भी खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, खेल अधोसंरचना और अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

श्री साय ने कहा कि 'मन की बात' में बिलासपुर जिले के ऐतिहासिक मल्हार में ज्ञान भारतम् अभियान के तहत प्राप्त दुर्लभ ताम्र-पट्टिकाओं का उल्लेख भी प्रदेश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लगभग 1400 से 1500 वर्ष पुरानी मानी जा रही ये ताम्र-पट्टिकाएं तत्कालीन शासन व्यवस्था, संस्कृति और सामाजिक जीवन की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करती हैं तथा छत्तीसगढ़ की समृद्ध ऐतिहासिक परंपरा का प्रमाण हैं।

गुजरात के ट्रक चालकों का महाराष्ट्र में अवैध वसूली का आरोप

नासिक,एजेंसी। गुजरात बॉर्डर से नासिक जिले के पेठ मार्ग पर चलने वाले ट्रक चालकों ने एक आरटीओ चेकपोस्ट पर बड़े पैमाने पर अवैध वसूली का आरोप लगाया है और इस मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

चालकों के अनुसार, ईंधन की बढ़ती कीमतों ने पहले ही उनकी कमाई को प्रभावित किया है, लेकिन अब चेकपोस्ट पर अधिकारियों द्वारा कथित रूप से की जा रही वसूली के कारण उन्हें अतिरिक्त वित्तीय दबाव का सामना करना पड़ रहा है। उनका दावा है कि वाहनों को नियमित रूप से रोका जाता है और अनावश्यक रूप से देरी की जाती, जिससे लंबी कतारें लगती हैं और उनके काम में रुकावट आती है।

चालकों ने आरोप लगाया कि प्रशासनिक भवन के भीतर एक निर्धारित खिड़की के माध्यम से अवैध भुगतान जमा किया जा रहा है।

डीजीपी ने कहा कि अभियान की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में नशा तस्करी से जुड़े हवाला नेटवर्क पर की गई कार्रवाई शामिल है

15 महीने में 65 हजार तस्कर गिरफ्तार, 300 करोड़ की संपत्तियां जब्त: डीजीपी

चंडीगढ़, एजेंसी।

पंजाब सरकार की नशा विरोधी मुहिम 'युद्ध नशों विरुद्ध' के 15 महीने पूरे होने पर पंजाब पुलिस ने बड़ी उपलब्धियों का दावा किया है। पुलिस ने इस अवधि में न केवल बड़े पैमाने पर मादक पदार्थों की बरामदगी की है, बल्कि नशा तस्करों और हवाला नेटवर्क की आर्थिक कमर भी तोड़ने में सफलता हासिल की है। अभियान के तहत लगभग 750 नशा तस्करों की 300 करोड़ रुपये मूल्य की अवैध संपत्तियां जब्त की गयी हैं।

पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने रविवार को बताया कि एक मार्च 2025 से शुरू हुए इस अभियान के दौरान एनडीपीएस एक्ट के तहत 46,937 एफआईआर दर्ज की गईं और 65,884 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अब तक 2950 किलोग्राम हेरोइन, 792 किलोग्राम अफीम, 666 क्विंटल भुक्की, 71 किलोग्राम चरस, 986 किलोग्राम गांजा, 56 किलोग्राम आईसीई (सिंथेटिक ड्रग) तथा 55 लाख नशीली गोलियां बरामद की हैं। इसके अलावा आरोपियों से 20 करोड़ रुपये की ड्रग मनी भी जब्त की गई है।

डीजीपी ने कहा कि अभियान की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में नशा तस्करी से जुड़े हवाला नेटवर्क पर की गई कार्रवाई शामिल है। पुलिस ने 65 हवाला ऑपरेटरों को गिरफ्तार कर 8.85 करोड़ रुपये की हवाला राशि बरामद की है। उन्होंने बताया कि जांच में सामने आया कि कई नेटवर्क शेल कंपनियों, व्हाट्सऐप, सिग्नल जैसे एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म और वर्चुअल अंतरराष्ट्रीय नंबरों के जरिए संचालित किये जा रहे थे। इन माध्यमों से नशे की कमाई पाकिस्तान और अन्य देशों में बैठे हैंडलरों तक पहुंचाई जाती थी। यादव ने बताया कि फगवाड़ा स्थित एक फॉरेक्स कंपनी से जुड़े मामले में 5.09 करोड़ रुपये की संपत्तियां फ्रीज की गईं। जांच में यह भी सामने आया कि यूएई के माध्यम से पाकिस्तान स्थित तत्वों तक धन पहुंचाने का नेटवर्क सक्रिय था।

इसके अलावा लुधियाना में एक ऑपरेटर से 20.55 लाख रुपये बरामद किये गये, जबकि अमृतसर में विदेशी और भारतीय मुद्रा सहित 1.24 करोड़ रुपये की बरामदगी ने नार्को-हथियार गठजोड़ की भी परतें खोलीं। डीजीपी ने बताया कि पंजाब पुलिस ने आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित जांच प्रणाली का व्यापक उपयोग किया है। पंजाब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम के जरिए 1.36 लाख एनडीपीएस मामलों और 93 हजार से अधिक वॉयस सैंपलों का विश्लेषण किया गया।

उन्होंने कहा कि करीब 43,400 मामलों के आपसी संबंधों की जांच कर 45,809 आपराधिक नेटवर्क कनेक्शनों की पहचान की गई।

मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य डिजिटल उपकरणों की फॉरेंसिक जांच से विदेशी वर्चुअल नंबरों और एन्क्रिप्टेड संचार नेटवर्क का भी खुलासा हुआ।

उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस केवल नशे की खेप पकड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि नशा कारोबार को वित्तीय सहायता देने वाले पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने पर काम कर रही है। उन्होंने दोहराया कि राज्य में नशा तस्करी और उससे जुड़े आर्थिक अपराधों के खिलाफ अभियान आगे भी पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा।

बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के दो पूर्व विधायक गिरफ्तार

बर्दवान,एजेंसी।

पश्चिम बंगाल में सरकारी योजनाओं से जुड़े धन के कथित गबन के मामले में पुलिस ने रविवार को तृणमूल कांग्रेस के दो पूर्व विधायकों को गिरफ्तार कर लिया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बर्दवान थाने की एक टीम ने बर्धमान दक्षिण के पूर्व विधायक खोकन दास को उत्तर प्रदेश में प्रयागराज के पास हंडी से गिरफ्तार किया।

जिला पुलिस के अनुसार, दास जबरन वसूली के एक मामले में वांछित थे, इसके अलावा उन पर वर्ष दो हजार इक्कीस में चुनाव के बाद हुई हिंसा का एक अन्य मामला भी लंबित है। यह गिरफ्तारी पश्चिम बंगाल में सरकारी योजनाओं और सामग्रियों के वितरण से जुड़े गबन, जबरन वसूली, हिंसा और डराने-धमकाने के आरोपों में जनप्रतिनिधियों के खिलाफ हाल ही में हुई पुलिस कार्रवाई के बीच हुई है।

दूसरी ओर, पूर्वस्थली उत्तर निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व विधायक तपन चट्टोपाध्याय के आवास से सरकारी तिरपाल, फुटबॉल और अन्य सामग्रियां बरामद की गईं। केंद्रीय बलों के साथ राज्य पुलिस ने रविवार सुबह करीब सात बजे पूर्व विधायक के घर पर तलाशी अभियान चलाया। इस बरामदगी के बाद चट्टोपाध्याय को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया गया और पुलिस वाहन में ले जाया गया। जब पूर्व विधायक को ले जाया जा रहा था, तब वहां भारी भीड़ जमा हो गई और लोगों ने चोर-चोर के नारे लगाए। इस सीट से तीन बार उम्मीदवार रहे चट्टोपाध्याय को तृणमूल कांग्रेस ने इस साल के चुनाव में टिकट देने से इनकार कर दिया था। इन दोनों गिरफ्तारियों के बारे में तृणमूल कांग्रेस के पूर्वी बर्दवान जिला अध्यक्ष रवींद्रनाथ चट्टोपाध्याय ने कहा कि वे जानते हैं कि उनके नेताओं के खिलाफ लगाए गए अधिकांश आरोप मनगढ़ंत हैं और दुर्भावनापूर्ण उद्देश्य से तैयार किए गए हैं।

सिंगापुर ओपन: सात्विक-चिराग की जोड़ी ने युगल खिताब जीत रचा इतिहास

दुनिया की तीसरे नंबर की इंडोनेशियाई जोड़ी फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिक्री की जोड़ी को 73 मिनट में 18-21, 21-17, 21-16 के स्कोर से हराया।

सिंगापुर, एजेंसी। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए रविवार को सिंगापुर बैडमिंटन ओपन 2026 में पुरुषों का डबल्स खिताब जीतकर बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर अपने दो साल लंबे खिताब के सूखे को आखिरकार खत्म कर दिया। युगल बैडमिंटन रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी आज यहां खेले गये फाइनल मुकाबले में दुनिया की तीसरे नंबर की इंडोनेशियाई जोड़ी फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिक्री की जोड़ी को 73 मिनट में 18-21, 21-17, 21-16 के स्कोर से हराया।

यह सात्विक और चिराग का टूर पर 2024 थाईलैंड ओपन के बाद पहला खिताब था, जो दो साल पहले मई में ही हुआ था। ये भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी, जो पिछले कुछ सालों में तीन फाइनल में खिताब से चूक गए थे—जिसमें इस महीने की शुरुआत में हुआ थाईलैंड ओपन भी शामिल है—सिंगापुर ओपन जीतने वाली देश की पहली युगल टीम भी बन गए। इससे पहले, साइना नेहवाल, पीवी सिंधु और बी साई प्रणीत ने यह खिताब जीता है, लेकिन ये सभी खिताब एकल वर्ग में आए थे।

पहले गेम में दोनों टीमों के बीच कई बार बढ़त बदली, लेकिन खेल के अहम मोड़ पर इंडोनेशियाई जोड़ी ने बढ़त बना ली। 18-17 से पीछे चल रहे अल्फियान-फिक्री ने लगातार चार अंक हासिल करके बढ़त बना ली। दूसरे गेम की शुरुआत में दोनों टीमों के बीच कोई खास अंतर नहीं था। हालांकि, 8-8 के स्कोर पर लगातार छह अंक हासिल करके भारतीय जोड़ी ने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। हालांकि इंडोनेशियाई जोड़ी ने तुरंत वापसी करते हुए अंकों के अंतर को घटाकर सिर्फ दो कर दिया। लेकिन सात्विक-चिराग ने यह सुनिश्चित किया कि वे मैच में बराबरी कर लें। निर्णायक गेम में सात्विक-चिराग चार अंकों की अच्छी-खासी बढ़त के साथ ब्रेक पर गए।

लेकिन फजर अल्फियान-मुहम्मद फिक्री ने वापसी करते हुए अंकों के अंतर को घटाकर 14-13 पर सिर्फ एक अंक का कर दिया। हालांकि, सात्विक-चिराग ने जोरदार वापसी करते हुए अगले 11 में से सात अंक जीते और अपने दूसरे मैच पॉइंट को भुनाते हुए अपना नौवां बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब पक्का कर लिया। भारतीय जोड़ी ने रविवार की जीत के साथ अलफ़ियान और फ़िक्री के ख़िलाफ़ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड भी 2-2 से बराबर कर लिया। सात्विक-चिराग की सिंगापुर ओपन जीत इस साल भारत का सिर्फ़ दूसरा BWF वर्ल्ड टूर ख़िताब था; इससे पहले देविका सिहाग ने थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 में महिला एकल का खिताब जीता था।

आईपीएल में इंपैक्ट प्लेयर नियम खत्म होना चाहिए: तेंदुलकर

मुम्बई, एजेंसी। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इंपेक्ट प्लेयर नियम खत्म कर दिया जाना चाहिए। अहमदाबाद में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के बीच होने वाले आईपीएल 2026 फाइनल से एक रात पहले 21वीं सदी के महानतम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों के लिए आयोजित ईएसपीएन क्रिकइंफो पुरस्कार समारोह में तेंदुलकर ने कहा, मेरी व्यक्तिगत राय में कुछ चीज़ें हैं, जिनके बारे में मैं कहना चाहूंगा। मुझे लगता है कि इंपेक्ट प्लेयर नियम को हटा देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि टी-20 प्रारुप में आपको केवल 20 ओवर ही खेलने होते हैं और फिर आप बल्लेबाजी लाइन-अप में एक अतिरिक्त बल्लेबाज जोड़ देते हैं। जब गेंदबाज पहले से ही बेहद चुनौती झेल रहे हैं, तो मुझे यह असंतुलन लगता है। 2023 में शुरू किया गया इंपेक्ट प्लेयर नियम टीमों को यह अनुमति देता है कि वे अपनी एकादश में शामिल किसी एक खिलाड़ी को बाहर करके टॉस से पहले तय किए गए पांच खिलाड़ियों की सूची में से किसी एक को मैच के दौरान शामिल कर सकें।

इस नियम की मुख्य आलोचना यह रही है कि इससे बल्लेबाज़ अधिक आज़ादी के साथ खेल सकते हैं और पिछले दो-तीन सीज़न में रन गति और टीम स्कोर में बढ़ोतरी इसी का असर मानी जाती है। 21वीं सदी के महानतम बल्लेबाज चुने गए तेंदुलकर ने कहा, छह ओवर के पावरप्ले में, जहां फील्डिंग प्रतिबंध होते हैं, सिर्फ़ दो फील्डर ही 30 गज के घेरे के बाहर रह सकते हैं। पहले चार ओवर बल्लेबाज़ों का पावरप्ले हों, जिसमें यही नियम लागू रहे। उसके बाद बचे हुए दो पावरप्ले ओवर फ़ील्डिंग कप्तान अपनी सुविधा के अनुसार मैच के किसी भी समय ले सके।

उन लगातार दो ओवरों में भी उसे एक अतिरिक्त फ़ील्डर घेरे के बाहर रखने की अनुमति मिले। इससे फ़ील्डिंग करने वाली टीम मैच को बेहतर तरीके से नियंत्रित कर सकेगी। उनका आखिरी सुझाव था कि एक गेंदबाज़ को पांच ओवर फेंकने की अनुमति मिलनी चाहिए क्योंकि आमतौर पर टीम का सबसे अच्छा गेंदबाज ही वह पांचवां ओवर करेगा। क्या आप उस सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज को ज्यादा गेंदबाजी करते हुए नहीं देखना चाहेंगे। शीर्ष बल्लेबाज तो कई बार पूरे 20 ओवर बल्लेबाजी करते हैं। फिर सबसे अच्छा गेंदबाज पांच ओवर क्यों नहीं फेंक सकता।

चोटरानी ने बनाई अगले राउंड में जगह, अनाहत हुईं बाहर

बर्मिंघम,एजेंसी। भारत के अभय सिंह और वीर चोटरानी ब्रिटिश ओपन स्क्वैश के दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं। वहीं, रमित टंडन और उभरती हुई महिला खिलाड़ी अनाहत सिंह पीएसए डायमंड इवेंट से बाहर हो गई हैं। विश्व के 24वें नंबर के खिलाड़ी अभय ने कोलंबिया के मटियास नुडसेन को 11-8, 11-5, 11-4 से हराया, जबकि वर्ल्ड नंबर 44 चोटरानी ने पाकिस्तान के विश्व के 29वें नंबर के खिलाड़ी नूर जमान को 11-8, 12-14, 11-6, 11-7 से हराया। चोटरानी का मुकाबला पांचवीं वरीयता प्राप्त वाले वेल्श खिलाड़ी जोएल माकिन से होगा, जबकि अभय का अगला मुकाबला सातवीं वरीयता प्राप्त वाले मिस्र के मोहम्मद जकारिया से होगा।

टंडन फ्रेंचमैन ऑगस्टे डूसॉर्ड के खिलाफ रिटायर हो गए, उस समय स्कोरबोर्ड 14-12 और 4-7 था। दूसरी तरफ, साइमन हर्बर्ट ने 2018 के चैंपियन मिगुएल रोड्रिगेज पर 3-0 (15-13, 11-8, 11-4) से शानदार जीत हासिल की। इस बीच, सैम टॉड ने फारेस डेसौकी के खिलाफ 54 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 3-1 से जीत हासिल करके अंतिम 32 में जगह बनाई। महिलाओं के ड्रॉ में, अनाहत दुनिया की 36वीं नंबर की खिलाड़ी नार्डिन गैरास से हार गईं, जिन्होंने भारत की नंबर 1 खिलाड़ी को चार गेम में हराकर 11-8, 8-11, 11-8, 11-9 से जीत हासिल करके एक और उलटफेर किया।

मैच के शुरुआती दौर में, गैरास अनाहत के खिलाफ पूरी तरह से हावी नजर आईं, और 22 साल की गैरास ने पहला गेम 11-8 से जीत लिया।

पीएसजी ने जीता यूईएफए चैंपियंस लीग का खिताब

बुडापेस्ट,एजेंसी। हंगरी के बुडापेस्ट के पुस्कास एरिना में खेले गए यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में आर्सेनल एफसी और पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के बीच मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा। पेनल्टी शूटआउट में आर्सेनल के स्टार खिलाड़ी गेब्रियल एक अहम पेनल्टी गंवा दी। इसका फायदा उठाकर पीएसजी ने शूटआउट जीत लिया और अपना यूरोपीय खिताब बरकरार रखा। पीएसजी ने शूटआउट में अपनी पांच में से चार पेनल्टी पर गोल किए, और नूनो मेंडेस ने अपना एकमात्र प्रयास गंवा दिया, जबकि एबेरेची एजे और गेब्रियल ने फाइनल में आर्सेनल के लिए दो पेनल्टी गंवा दीं।

मैच में काई हैवर्ट्ज ने गोल करके आर्सेनल को शुरुआती बढ़त दिलाई। हालांकि, ओस्मान डेम्बेले ने पेनल्टी पर गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।इसके बाद दोनों टीमों में से कोई भी निर्णायक गोल नहीं कर सकी और निर्धारित समय के अंत तक स्कोर 1-1 से बराबर रहा, जिसके बाद मुकाबले का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ।

22 साल बाद अपना पहला इंग्लिश प्रीमियर लीग खिताब जीतने वाली आर्सेनल ने मैच की शुरुआत से ही खेल पर पकड़ बना ली और जल्दी ही बढ़त हासिल कर ली। लिएंड्रो ट्रॉसार्ड ने विपक्षी टीम की क्लीयरेंस पर दबाव बनाया, जिससे गेंद आर्सेनल के पास आ गई। इसके बाद काई हैवर्ट्ज ने शानदार मौके का फायदा उठाते हुए टाइट एंगल से गोलकीपर माटवेई सफोनोव को छकाते हुए शानदार गोल कर दिया।

डिफेंडिंग चैंपियन पीएसजी ने किसी तरह की घबराहट नहीं दिखाई और पहले हाफ के बाकी समय में खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा। गैब्रियल और विलियम सलीबा की जोड़ी ने मिलकर आर्सेनल के डिफेंस को मजबूत रखा और पीएसजी को गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। मिकेल आर्टेटा के पास अपनी बढ़त को दोगुना करने का शानदार मौका था। काई हैवर्ट्ज दूसरे गोल के करीब थे, लेकिन पीएसजी के कप्तान मार्क्विनहोस ने आखिरी क्षण में शानदार ब्लॉक करके उन्हें गोल करने से रोक दिया।

फाइनल से पहले आर्सेनल ने पूरे टूर्नामेंट में केवल छह गोल खाए थे। टीम को पता था कि अगर वह इस मैच में क्लीन शीट रखती, तो यह इस सीजन की रिकॉर्ड की बराबरी करने वाली दसवीं क्लीन शीट होती और उन्हें पहला चैंपियंस लीग खिताब दिला सकती थी। हालांकि, ऐसा हो नहीं सका। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। क्रिस्टियन मॉस्केरा ने एक तेज पासिंग मूव के बाद ख्विचा क्वारात्सखेलिया को पेनल्टी एरिया के अंदर गिरा दिया, जिसके कारण पीएसजी को पेनल्टी मिल गई।

गुकेश ने प्रज्ञानंदा को हराया, शीर्ष पर दिव्या देशमुख

ओस्लो,एजेंसी। नॉर्वे चेस 2026 के पांचवें राउंड में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पुरुष वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने ऑल-इंडियन मुकाबले में प्रज्ञानंदा रमेशबाबू को हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की, जबकि महिला वर्ग में दिव्या देशमुख ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अकेले शीर्ष स्थान हासिल किया। गुकेश और प्रज्ञानंदा के बीच मुकाबला लंबे समय तक बेहद कड़ा रहा। प्रज्ञानंदा ने खेल के अधिकांश हिस्से में बढ़त बनाए रखी और जीत की ओर बढ़ते नजर आ रहे थे।

हालांकि, खेल के अंतिम चरण में समय का दबाव बढ़ने के साथ उनकी स्थिति कमजोर पड़ गई। गुकेश ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया और बाजी पलटते हुए शानदार जीत हासिल कर ली। एक अन्य बड़े मुकाबले में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो ने दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराकर सभी को चौंका दिया। यह मुकाबला लंबी रणनीतिक लड़ाई में बदल गया था।

लेकिन एंडगेम में वेस्ली सो ने बेहतर खेल दिखाते हुए जीत अपने नाम कर ली। टूर्नामेंट में बढ़त बनाए हुए अलीरेजा फिरोजा और विंसेंट कीमर के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा। इसके बाद खेले गए आर्मागेडन मुकाबले में फिरोजा ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए और शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। महिला वर्ग में दिन की सबसे अहम जीत भारत की दिव्या देशमुख के नाम रही। उन्होंने चीन की झू जिनर को लंबे और संघर्षपूर्ण मुकाबले में हराया। खेल काफी देर तक बराबरी पर रहा, लेकिन समय की कमी वाले चरण में दिव्या ने सटीक चालें चलते हुए जीत हासिल कर ली।

बिजनेस

सोना मई में 6 हजार रुपए और चांदी 23 हजार से अधिक महंगी हुई

नई दिल्ली,एजेंसी। घरेलू बाजार में मई में कीमती धातुओं की कीमतों में तेजी देखने को मिली है, जिससे सोना की कीमत 1.56 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी क दाम 2.63 लाख रुपए प्रति किलो से अधिक हो गया है।

आरबीआई वैश्विक अस्थिरता के बीच जून में रेपो रेट को रख सकता है यथावत

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति कमेटी (आरबीआई-एमपीसी) 3-5 जून के बीच होने वाली अपनी तीन दिवसीय बैठक में रेपो रेट को यथावत रख सकती है। इसकी वजह वैश्विक स्तर पर अस्थिरता और इसका महंगाई और आर्थिक वृद्धि पर असर होना है।

'बुढ़ापे की लाठी' बन सकती है ये सरकारी स्कीम!

हर महीने सिर्फ 55 रुपए जमा करके पा सकते हैं 3,000 रुपए मासिक पेंशन।

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के करोड़ों असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए बुढ़ापे में नियमित आय की व्यवस्था करना हमेशा एक बड़ी चुनौती रही है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना (पीएम-एसवाईएम) संचालित कर रही है। यह एक ऐसी पेंशन योजना है, जिसके तहत बहुत कम मासिक योगदान देकर भविष्य में सुनिश्चित पेंशन का लाभ लिया जा सकता है।

इस योजना का उद्देश्य उन श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है, जो रोजमर्रा की आय पर निर्भर रहते हैं और रिटायरमेंट के बाद आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं होता। प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत लाभार्थी को 60 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद हर महीने 3,000 रुपए की निश्चित पेंशन दी जाती है। यानी सालाना 36,000 रुपए की आय सुनिश्चित होती है। खास बात यह है कि योजना में जितनी राशि लाभार्थी जमा करता है, उतनी ही राशि केंद्र सरकार भी उसके खाते में योगदान के रूप में जमा करती है।

इस तरह व्यक्ति की बचत पर सरकार भी बराबर की भागीदारी निभाती है। यह योजना मुख्य रूप से असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए बनाई गई है। इसमें रेहड़ी-पटरी विक्रेता, रिक्शा चालक, घरेलू कामगार, निर्माण मजदूर, खेतिहर श्रमिक, बुनकर, मोची, धोबी और इसी तरह के अन्य कामगार शामिल हैं। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक की आयु 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए और उसकी मासिक आय 15,000 रुपए या उससे कम होनी चाहिए। हालांकि, जो व्यक्ति पहले से कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) या राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) जैसी योजनाओं का सदस्य है अथवा आयकरदाता है, वह इस योजना के लिए पात्र नहीं माना जाता।

इस योजना में जमा की जाने वाली राशि व्यक्ति की उम्र के अनुसार निर्धारित होती है। यदि कोई व्यक्ति 18 वर्ष की आयु में स्कीम से जुड़ता है, तो उसे केवल 55 रुपए प्रति माह जमा करने होते हैं। सरकार भी उसके खाते में 55 रुपए का योगदान देती है। इसी प्रकार उम्र बढ़ने के साथ मासिक योगदान की राशि भी बढ़ती जाती है। उदाहरण के तौर पर 29 वर्ष की आयु में योजना से जुड़ने वाले व्यक्ति को हर महीने 100 रुपए जमा करने होते हैं, जबकि 40 वर्ष की आयु में शामिल होने वाले व्यक्ति का मासिक योगदान 200 रुपए होता है। 60 वर्ष की आयु तक नियमित योगदान करने के बाद पेंशन का लाभ शुरू हो जाता है।

योजना में नामांकन की प्रक्रिया काफी सरल रखी गई है। इच्छुक व्यक्ति अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए आधार कार्ड, बैंक या जनधन खाते की जानकारी और मोबाइल नंबर की आवश्यकता होती है। शुरुआती योगदान जमा करने के बाद बैंक खाते से ऑटो-डेबिट सुविधा सक्रिय कर दी जाती है, जिससे हर महीने तय राशि स्वतः कटती रहती है। इसके अलावा, इच्छुक लोग ऑनलाइन माध्यम से भी योजना के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। सफल रजिस्ट्रेशन के बाद लाभार्थी को एक यूनिक पेंशन नंबर के साथ श्रम योगी पेंशन कार्ड जारी किया जाता है।

यदि कोई सदस्य किसी कारणवश योजना को बीच में छोड़ना चाहता है, तो उसके लिए भी स्पष्ट नियम बनाए गए हैं।

जोहो संस्थापक श्रीधर वेम्बू ने एआई बबल के बारे में लोगों को किया सतर्क

नई दिल्ली, एजेंसी। जोहो कॉरपोरेशन के संस्थापक और मुख्य वैज्ञानिक श्रीधर वेम्बू ने लोगों से एआई बबल को लेकर चेतावनी दी और कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनियों के वैल्यूएशन 1999 के डॉटकॉम बबल से भी अधिक हो गए है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में, वेम्बू ने प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनियों के मूल्य-बिक्री अनुपात पर प्रकाश डालते हुए तर्क दिया कि वर्तमान में वैल्यूएशन बिजनेस के फंडामेंटल से तेजी से अलग होते जा रहे हैं। उन्होंने एनवीडिया, एप्पल, अल्फाबेट, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा प्लेटफॉर्म्स और माइक्रोन टेक्नोलॉजी जैसी कंपनियों का उदाहरण देते हुए कहा कि इनमें से कई कंपनियां अपने वार्षिक राजस्व के ऊंचे मल्टीपल पर कारोबार कर रही हैं। वेम्बू के अनुसार, एनवीडिया वर्तमान में बिक्री के लगभग 20 गुना पर कारोबार कर रही है, जबकि एप्पल, अल्फाबेट और माइक्रोसॉफ्ट का मूल्य-बिक्री अनुपात लगभग 10 से 11 गुना है। मेटा लगभग 7.5 गुना बिक्री पर है, जबकि माइक्रोन लगभग 19 गुना बिक्री पर कारोबार कर रही है।

लोगों को सतर्क करने के लिए, वेम्बू ने 2000 के दशक की शुरुआत में डॉट-कॉम बबल के फूटने के बाद स्कॉट मैकनीली द्वारा की गई टिप्पणियों का हवाला दिया। मैकनीली ने तर्क दिया था कि अगर कोई निवेश किसी कंपनी में 10 के मूल्य-बिक्री अनुपात पर निवेश करता है तो इस वैल्यूशन को उचित ठहराने के लिए कंपनी को कई वर्षों तक असाधारण प्रदर्शन करना होगा। 1990 के दशक के आखिरी में आए डॉटकॉम बबल से तुलना करते हुए, वेम्बू ने कहा कि वर्तमान माहौल ₹एक बबल₹ को दर्शाता है और सुझाव दिया कि यह 1999 में देखे गए डॉटकॉम बबल से भी बड़ा हो सकता है।

उन्होंने कहा किया कि यह एक बेतुका बबल है, जो 1999 से भी बड़ा है। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब एआई से जुड़े शेयरों, विशेष रूप से सेमीकंडक्टर निर्माताओं और सॉफ्टवेयर कंपनियों के शेयरों में लगातार तेजी देखी जा रही है, क्योंकि यह उम्मीद की जा रही है कि एआई विभिन्न उद्योगों में महत्वपूर्ण वृद्धि और उत्पादकता लाभ लाएगी।

वैश्विक कारकों के साथ घरेलू आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

मुंबई,एजेंसी। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में रही गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर वैश्विक कारकों के अलावा कुछ महत्वपूर्ण घरेलू आंकड़ों पर भी रहेगी। पश्चिम एशिया संकट का असर तो शेयर बाजारों पर दिखेगा ही, मानसून की प्रगति, अप्रैल के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े, मई के पीएमआई के आंकड़े और वित्त वर्ष 2025-26 के जीडीपी के आंकड़े निवेश धारणा को काफी प्रभावित करेंगे। इसके अलावा रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद शुक्रवार को जारी बयान भी बाजार को दिशा देंगे।

गत सप्ताह 28 मई को बकरीद का अवकाश होने के कारण बाजार में चार दिन ही कारोबार हुआ। मौसम विभाग की कमजोर मानसून की भविष्यवाणी से शुक्रवार को बीएसई का संसेक्स लगभग 1,100 अंक लुढ़क गया। कुल मिलाकर चार दिन में यह 639.61 अंक यानी 0.85 प्रतिशत टूटा और सप्ताहांत पर 74,775.74 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 123.25 अंक (0.52 प्रतिशत) की गिरावट में शुक्रवार को 23,547.75 अंक पर बंद हुआ।

वृहत बाजार में निवेशकों का विश्वास बना रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.07 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.02 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में सप्ताह के दौरान 19 कंपनियों के शेयर गिरावट में रहे। आईटीसी ने सबसे ज्यादा 4.89 प्रतिशत का नुकसान उठाया। एचडीएफसी बैंक का शेयर 2.82 फीसदी, टीसीएस का 2.73, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 2.55, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 2.51, सन फार्मा का 2.40 और भारती एयरटेल का 2.23 प्रतिशत गिर गया।

पावर ग्रिड में 1.56 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 1.54, ट्रेंट में 1.52, बीईएल में 1.36, बजाज फाइनेंस में 1.27, इंफोसिस में 1.25 और अल्ट्राटेक सीमेंट में 1.09 प्रतिशत की गिरावट रही। इंडिगो, आईसीआईसीआई बैंक और एनटीपीसी के शेयर भी नीचे बंद हुए। टेक महिंद्रा का शेयर सबसे ज्यादा 4.32 प्रतिशत चढ़ा। एलएंडटी में 3.81 फीसदी और इटरनल में 3.70 फीसदी की तेजी रही।

देश की सौर ऊर्जा क्षमता करीब 40 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ रही है: रिपोर्ट

भारत औद्योगीकरण के लिए कोयले की जगह सौर ऊर्जा का उपयोग करने वाला बन सकता है पहला देश।

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत औद्योगीकरण के लिए कोयले की जगह सौर ऊर्जा का उपयोग करने वाला पहला देश हो सकता है। देश की सौर ऊर्जा क्षमता करीब 40 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ रही है और मार्च 2026 तक 150 गीगावाट के अधिक हो गई है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। जलवायु और पर्यावरण केंद्रित अमेरिकी न्यूज पोर्टल ग्रिस्ट ने येल ई360 की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत गुजरात के कच्छ के रेगिस्तान में फैले विशाल सौर पैनलों के कारण यह क्षेत्र तेजी से दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा केंद्रों में से एक में परिवर्तित हो रहा है।

भारत-पाकिस्तान सीमा के पास लगभग 280 वर्ग मील में फैला खावड़ा सौर पार्क 2029 तक दुनिया की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा परियोजना बन सकता है। एक बार पूरा होने पर, इस परियोजना में लगभग 6 करोड़ सौर पैनल लग जाएंगे और इससे 30 गीगावाट बिजली उत्पन्न होगी – जो ऑस्ट्रिया जितने बड़े देश को बिजली देने के लिए पर्याप्त है। यह विशाल परियोजना सौर ऊर्जा की ओर भारत के बढ़ते कदम को दर्शाती है। देश की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता में प्रतिवर्ष लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है और मार्च में यह 150 गीगावाट को पार कर गई।

जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करते हुए बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के उद्देश्य से भारत ने 2030 तक इस क्षमता को फिर से दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। ब्रिटेन स्थित थिंक टैंक एम्बर के ऊर्जा रणनीतिकार किंग्समिल बॉन्ड के अनुसार, भारत, चीन और पश्चिमी देशों से अलग राह पर चल रहा है, जिन्होंने अपनी अर्थव्यवस्थाओं का बड़ा हिस्सा जीवाश्म ईंधन पर टिकाया है। बॉन्ड ने कहा, चीन ने कोयले पर अपनी अर्थव्यवस्था का निर्माण किया; भारत सौर ऊर्जा पर निर्माण कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि भारत का मॉडल अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं को प्रेरित कर सकता है जो कार्बन उत्सर्जन में भारी वृद्धि किए बिना तीव्र विकास की तलाश में हैं। भारत का तेज सौर ऊर्जा विस्तार महज एक दशक पहले की स्थिति से एक नाटकीय बदलाव को दर्शाता है, जब देश के ऊर्जा मिश्रण में सौर ऊर्जा की भूमिका सीमित थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि उस समय, जलवायु परिवर्तन को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बावजूद, सरकार ने औद्योगिक विकास को समर्थन देने के लिए कोयला उत्पादन का पुरजोर समर्थन किया था।

2014 में सत्ता में आने के तुरंत बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2020 तक कोयला उत्पादन को दोगुना करने का संकल्प लिया था।

महबूब खान के पास बेमन से स्क्रीन टेस्ट को गई थीं नरगिस

एक्टिंग नहीं, इस प्रोफेशन में बनाना चाहती थीं करियर

मुंबई। भारतीय सिनेमा की स्वर्ण युग की अभिनेत्रियों का नाम लिया जाए तो नरगिस का जिक्र होना लाजमी है। नरगिस का नाम लेते ही सबसे पहले 'मदर इंडिया' वाली राधा का किरदार याद आता है। हालांकि कम ही लोग जानते हैं कि नरगिस अभिनेत्री बनना कभी चाहती ही नहीं थीं। उनका सपना किसी और क्षेत्र में करियर बनाने का था। हालांकि, मां के सपने को पूरा करने के लिए उन्हें अभिनय की दुनिया में कदम रखना पड़ा।

दरअसल, नरगिस का सपना डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करना था लेकिन मां की जिद के आगे उन्हें अभिनय की दुनिया में कदम रखना पड़ा और महबूब खान के पास बेमन से दिए गए स्क्रीन टेस्ट ने उनकी जिंदगी की दिशा ही बदल दी।

नरगिस दत्त का असली नाम रशीद फातिमा था। उनका जन्म 1 जून 1929 को कोलकाता में हुआ था। उनकी मां जद्दनबाई उस समय की प्रसिद्ध गायिका, नृत्यांगना, निर्देशक और अभिनेत्री थीं। जद्दनबाई भारतीय सिनेमा जगत में खास स्थान रखती थीं और अपनी बेटी को भी फिल्मी दुनिया में लाना चाहती थीं लेकिन नरगिस का मन पढ़ाई में था। वह डॉक्टर बनना चाहती थीं।

साल 1935 में जब नरगिस सिर्फ 6 साल की थीं, तब उनकी मां ने उन्हें बाल कलाकार के रूप में फिल्म 'तलाश-ए-हक' में उतार दिया। इस तरह उनके फिल्मी सफर की शुरुआत हो गई, लेकिन उनका दिल अभिनय में नहीं लगता था। एक दिन जदनबाई ने उन्हें महबूब खान के पास स्क्रीन टेस्ट देने भेज दिया। नरगिस बिल्कुल बेमन से टेस्ट देने गई थीं। उनका इरादा था कि महबूब खान उन्हें रिजेक्ट कर देंगे और वह डॉक्टर बनने का अपना सपना पूरा कर सकेंगी लेकिन हुआ उल्टा। महबूब खान उनकी अभिनय क्षमता से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने अपनी साल 1943 में आई फिल्म 'तकदीर' के लिए नरगिस को नायिका के रूप में चुन लिया।

इसके बाद साल 1945 में 'हुमायूं' आई लेकिन असली सफलता नरगिस को 1949 में मिली। राज कपूर की फिल्म 'बरसात' और दिलीप कुमार के साथ 'अंदाज' ने नरगिस को स्टार बना दिया। 'बरसात' में राज कपूर के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों को बेहद पसंद आई।

नरगिस का करियर तेजी से ऊंचाइयों पर पहुंच रहा था।साल 1957 में महबूब खान की फिल्म 'मदर इंडिया' आई, जिसने उन्हें वैश्विक पहचान दिलाई। इस फिल्म में राधा के किरदार में नरगिस ने इतना दमदार अभिनय किया कि फिल्म को ऑस्कर के लिए नामांकन मिला। 'मदर इंडिया' आज भी भारतीय सिनेमा की क्लासिक फिल्मों में शुमार है।

वहीं, राज कपूर के साथ नरगिस की जोड़ी सबसे यादगार जोड़ियों में से एक थी। 'आवारा', 'श्री 420', 'चोरी चोरी' और 'जागते रहो' जैसी फिल्मों में दोनों ने साथ काम किया। इन फिल्मों के गाने आज भी लोगों के दिलों में बसते हैं।

'राजेश खन्ना बेहद शर्मीले थे'

आशा पारेख ने सुनाया 'आजा पिया तोहे प्यार दूं' की शूटिंग का दिलचस्प किस्सा

मुंबई। म्यूजिक रियलिटी टीवी शो 'इंडियन आइडल' के अपकमिंग एपिसोड में बीते जमाने की अभिनेत्री आशा पारेख दिवंगत अभिनेता राजेश खन्ना से जुड़े किस्से-कहानियों को सुनाती करती नजर आएंगी।

आशा पारेख ने शो के वीडियो प्रोमो को इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, जिसमें वह बताती नजर आईं कि अपने करियर के शुरुआती दिनों में राजेश खन्ना बेहद शर्मीले, शांत और संकोची स्वभाव के थे।

हालांकि, समय के साथ दोनों के बीच गहरी दोस्ती हो गई थी।शो के दौरान कंटेस्टेंट मिस्सी बसु ने फिल्म 'बहारों के सपने' के लोकप्रिय गीत 'आजा पिया तोहे प्यार दूं' पर प्रस्तुति देती नजर आईं। इस परफॉर्मेंस को देखने के बाद आशा पारेख पुरानी यादों में खो गईं और उन्होंने उस दौर का एक दिलचस्प किस्सा सुनाया।

आशा पारेख ने बताया कि जब इस गाने की शूटिंग हो रही थी, तब राजेश खन्ना फिल्म इंडस्ट्री में नए थे। यह उनके करियर की शुरुआती फिल्मों में से एक थी और उस समय उन्हें ज्यादा पहचान नहीं मिली थी। उन्होंने कहा कि राजेश खन्ना स्वभाव से काफी झिझकने वाले थे और लोगों से कम बातचीत करते थे।

अभिनेत्री ने कहा कि बाद में जब उन्होंने राजेश खन्ना के साथ कई और फिल्मों में काम किया, तो दोनों के बीच अच्छी दोस्ती हो गई। साथ काम करते-करते वे एक-दूसरे को बेहतर ढंग से समझने लगे और सुख-दुख की बातें भी साझा करने लगे।

उन्होंने शूटिंग के दिनों को याद करते हुए बताया कि उस समय वे लगातार दो फिल्मों की शूटिंग कर रहे थे। एक शेड्यूल खत्म होते ही दूसरे सेट पर पहुंचना पड़ता था। ऐसे व्यस्त कार्यक्रम के कारण कलाकारों को काफी थकान भी होती थी।

आशा पारेख ने मुस्कुराते हुए एक मजेदार घटना का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि एक दिन राजेश खन्ना ने उनसे कहा, "आशा जी, आप इतनी जल्दी क्यों आ जाती हैं? आराम से आइए, मैं तो चार बजे से पहले सेट पर नहीं पहुंचूंगा।" यह सुनकर उन्हें खुशी हुई क्योंकि इससे उन्हें भी थोड़ा आराम करने का समय मिल जाता था।

उन्होंने कहा कि राजेश खन्ना बेहद संवेदनशील इंसान थे। वे अपने जीवन की बातें और अनुभव साझा करते थे। मैं भी उनसे खुलकर बातचीत करती थी। हमारी दोस्ती समय के साथ और मजबूत होती चली गई।'आजा पिया तोहे प्यार दूं' 1967 में रिलीज हुई फिल्म 'बहारों के सपने' का लोकप्रिय गीत है। इस गाने को लता मंगेशकर ने अपनी आवाज दी थी और संगीत आरडी बर्मन ने तैयार किया था जबकि गीत मजरूह सुल्तानपुरी ने लिखा था।

बेटी मिहिका की याद में भावुक हुईं दिव्या सेठ शाह

बोलीं- 'हर खूबसूरत चीज में आज भी महसूस होती है तुम्हारी मौजूदगी'

मुंबई। मां और बेटी का रिश्ता दुनिया के सबसे भावनात्मक रिश्तों में से एक माना जाता है। जब कोई मां अपनी संतान को खो देती है, तो उस दर्द को शब्दों में बयां करना आसान नहीं होता। ऐसे ही दर्द से इन दिनों अभिनेत्री दिव्या सेठ शाह गुजर रही है। उन्होंने अपनी बेटी मिहिका शाह के निधन के बाद से उसकी यादों को संजोए हुए रखा हैं। इस बीच, रविवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया और बताया कि उनकी बेटी भले ही अब इस दुनिया में नहीं है, लेकिन वह आज भी उसे अपने आसपास महसूस करती हैं।

दिव्या सेठ शाह ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में रोजमर्रा की जिंदगी के कई खूबसूरत पल दिखाए। वीडियो की शुरुआत खिड़की के बाहर बैठे कबूतरों से होती है। इसके बाद स्वादिष्ट भोजन की थाली, छत की दीवार पर बैठी एक चिड़िया, साथ खेलते पालतू जानवर, बच्चों के साथ बिताए पल और प्रकृति के कई सुंदर नजारे देखने को मिलते हैं। इन सबके बीच उनकी

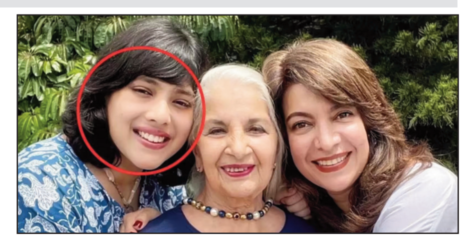

बेटी मिहिका की कई प्यारी और यादगार तस्वीरें भी दिखाई देती हैं।

इस वीडियो के साथ दिव्या ने लिखा, "मैं हर दिन अपनी बेटी के संकेत तलाशती हूं। जहां भी नजर घूमती हैं, वहां मुझे मिहिका की मौजूदगी महसूस होती है। मुझे इस बात पर बिल्कुल भी संदेह नहीं है कि मेरे आसपास फैला प्यार, खुशी और सुंदरता मेरी बेटी की ओर से ही भेजी गई है। मैं जहां भी देखती हूं, मुझे सिर्फ अपनी बेटी ही दिखाई देती है।"

विदेश

ताजमहल को टिफनी ट्रंप ने बताया 'शानदार'

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी टिफनी पति माइकल बुलोस के साथ भारत दौरे पर हैं। ये उनकी निजी यात्रा है। रविवार को उन्होंने एक ताजमहल परिसर में खिंचवाई तस्वीर साझा की। बेहद कम शब्दों में उन्होंने दुनिया के सात अजूबों में शामिल धरोहर स्थल की खूबसूरती का जिक्र किया।

चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) असफल क्यों साबित हुआ?

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी), जिसे करीब एक दशक तक पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए गेमचेंजर के रूप में प्रचारित किया जा रहा था, अब एक ऐसी परियोजना बनकर रह गया है।

ईरान परमाणु हथियार न बनाएगा और न ही खरीदेगा, बातचीत समझौते के बहुत करीबः ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल न करे। अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौता होने के बहुत करीब है, लेकिन अगर बातचीत सफल नहीं होती है तो सैन्य कार्रवाई का विकल्प भी खुला है। यह बात उन्होंने व्हाइट हाउस में फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में कही।

उन्होंने कहा, "हम एक बहुत अच्छे समझौते के करीब हैं, और अगर यह अच्छा बनता है तो ठीक है, नहीं तो हम फिर से 'डिपार्टमेंट ऑफ वॉर' के साथ आगे बढ़ेंगे।" ट्रंप ने कहा कि ईरान इस बात पर सहमत हो गया है कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा और न ही हासिल करेगा।उन्होंने कहा, "मेरी सबसे बड़ी गारंटी यह होनी चाहिए कि उनके पास कोई परमाणु हथियार नहीं होगा। वे इस पर सहमत हो गए

हैं।" उन्होंने बताया कि बातचीत के नियमों को और बढ़ाया गया है, क्योंकि उन्हें चिंता थी कि ईरान किसी और स्रोत से भी हथियार हासिल कर सकता है।

ट्रंप ने कहा, "पहले वे कहते थे कि हम परमाणु हथियार नहीं बनाएंगे। मैंने कहा, अगर आप कहीं से खरीद लें तो क्या होगा? अब इसमें यह भी शामिल है कि हम न तो बनाएंगे और न ही किसी भी तरह से कोई सैन्य हथियार खरीदेंगे।" राष्ट्रपति ने इन बातचीतों को कठिन बताया, लेकिन कहा कि प्रगति हो रही है।ट्रंप ने कहा कि वह बातचीत के जरिए समाधान चाहते हैं, लेकिन अगर उनकी शर्तें पूरी नहीं होती हैं तो अमेरिका कार्रवाई करेगा।

उन्होंने कहा कि अगर हमें वह नहीं मिला जो हम चाहते हैं, तो हम इसे किसी और तरीके से खत्म करेंगे।जब उनसे पूछा गया कि सैन्य कार्रवाई कब हो सकती है, तो ट्रंप ने कहा कि अगर समझौता अमेरिका के हितों की रक्षा नहीं करता, तो वह स्वीकार नहीं होगा।

उन्होंने कहा, "अगर कोई समझौता हमारे लिए अच्छा नहीं है, तो वही आखिरी सीमा है।" ट्रंप ने कहा कि ईरान एक कमजोर स्थिति से बातचीत कर रहा है, क्योंकि पहले अमेरिका ने वहां सैन्य कार्रवाई की थी। उन्होंने यह भी कहा कि अगर समझौता हो जाता है, तो होर्मुज स्ट्रेट तुरंत खोल दिया जाएगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि अगले साल के मिडटर्म चुनावों का उनकी नीति पर कोई असर नहीं पड़ेगा। "मुझे वही करना है जो सही है।" इंटरव्यू के दौरान ट्रंप ने अमेरिकी मीडिया की कवरेज की आलोचना की और डेमोक्रेट्स पर भी हमला किया। उन्होंने कहा कि वे उनके घरेलू एजेंडे, जैसे टैक्स कट और बॉर्डर सिक्योरिटी उपायों का विरोध कर रहे हैं।यह बयान ऐसे समय आया है जब प्रशासन ईरान के साथ लंबे समय के समझौते की कोशिश कर रहा है।

ईरान ने तेज रफ्तार अटैक शिप का किया प्रदर्शन, दावा- क्रूज मिसाइल लॉन्च करने में सक्षम

तेहरान। अमेरिका के साथ संभावित समझौते की चर्चा के बीच इस्लामिक रिवॉल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) नेवी ने तेज रफ्तार नई अटैक शिप प्रदर्शित की। विभिन्न समाचार एजेंसियों ने इसकी जानकारी दी।

ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी ने बताया कि ईरानी सेना ने अपनी नई हाई-स्पीड असॉल्ट जलयान '27 रजब' को इंकलाब स्क्वायर में एक समारोह के दौरान पेश किया।दावा किया जा रहा है कि यह अटैक शिप 100 नॉट यानी करीब 185 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक पहुंच सकती है। ये लंबी दूरी तक क्रूज मिसाइलें दागने में सक्षम है।तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, यह प्रदर्शन लगातार 90वें दिन से हो रही सभा का हिस्सा था, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

इसमें ईरान की अवाम ने अपनी सेना के बढ़ते कद को करीब से देखा।एक तेज रफ्तार वाला युद्धपोत (फास्ट अटैक क्राफ्ट) है, जिसे खास तौर पर तटीय और समुद्री सुरक्षा अभियानों के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी सबसे खास बात इसका 'ट्राइमरान हुल डिजाइन' है, जिसमें एक मुख्य ढांचा और दो सहायक ढांचे होते हैं। इस डिजाइन की वजह से यह जहाज समुद्र में ज्यादा स्थिर रहता है और तेज गति के दौरान भी आसानी से दिशा बदल सकता है, खासकर जब समुद्र की स्थिति चुनौतीपूर्ण हो।चुनौतीपूर्ण समुद्री परिस्थितियों में स्थिरता और स्थिति अनुसार बदलाव करने की क्षमता बढ़ाता है।

इजरायल की सेना ने दक्षिणी लेबनान में 'बड़े पैमाने पर अभियान' शुरू किया

तेल अवीव। हिज्बुल्लाह को खत्म करने के इरादे से इजरायल का दक्षिणी लेबनान पर हमला जारी है। रविवार को बड़े पैमाने पर अभियान शुरू करने का ऐलान किया गया।

इजरायल डिफेंस फोर्सेस की प्रवक्ता एला वावेया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान के शेबा हाइट्स (ब्यूफोर्ट रिज) और वादी-अल-सलूकी क्षेत्र में "बड़े पैमाने पर अभियान" शुरू किया है।उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य "आतंकी ढांचे को नष्ट करना और हमलावरों को समाप्त करना है। यह दक्षिणी लेबनान में परिचालन नियंत्रण को मजबूत करने और गैलीली पैनहेंडल और मेतुला बस्ती के लिए प्रत्यक्ष खतरे को समाप्त करने का हिस्सा है।"

वावेया ने कहा कि यह अभियान "कई दिन पहले बड़े जमीनी बलों के साथ शुरू हुआ था" और सैनिक "अग्रिम रक्षा पंक्ति का विस्तार करने के लिए आक्रामक कार्रवाई कर रहे हैं।" आईडीएफ प्रवक्ता के अनुसार, सेना उन लॉन्चिंग ठिकानों के खिलाफ भी कार्रवाई कर रही है, जहां से इजरायल के नागरिकों और दक्षिणी लेबनान में तैनात आईडीएफ बलों पर सैकड़ों रॉकेट और मिसाइल हमले किए गए थे।

उन्होंने यह भी कहा कि इजरायली बलों ने लितानी नदी को पार कर लिया है और नदी के उत्तर में हिज्बुल्लाह के खिलाफ अपने हमलों का विस्तार कर दिया है। उनके अनुसार, अभियान अब अन्य क्षेत्रों तक भी फैलाया जा रहा है।आईडीएफ के इस ऑपरेशन को आईडीएफ के चीफ ऑफ स्टाफ ईयाल जमीर ने मंजूरी दी थी। अभियान से पहले उत्तरी कमान के नेतृत्व में गोलाबारी की तैयारी और अन्य परिचालन तैयारियां व्यवस्थित रूप से पूरी की गईं।

वावेया ने कहा कि इजरायली बल नबातेह के आसपास सक्रिय हैं और "आवश्यकता पड़ने पर हमले का दायरा और बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।" इजरायली रक्षा बलों ने कहा है कि वे इजरायल के खिलाफ किसी भी खतरे को समाप्त करने के लिए अपनी कार्रवाई जारी रखेंगे।

पाकिस्तानः कराची में बिजली खराबी से गहराया पानी का संकट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची में चल रहे जल संकट के बीच, धाबेजी पंपिंग स्टेशन पर अचानक बिजली बंद होने से शहर के कई इलाकों में पानी की सप्लाई प्रभावित हो गई। स्थानीय मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। कराची में पानी की गंभीर कमी का संकट लगातार दूसरे महीने भी जारी है। इसके कारण लोगों को पानी के टैंकरों और निजी सप्लायर्स पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

शनिवार को कराची वॉटर एंड सीवरेज कॉरपोरेशन (केडब्ल्यूएससी) ने एक बयान में कहा कि के-इलेक्ट्रिक ने उन्हें जानकारी दी कि धाबेजी ग्रिड स्टेशन के एक ट्रांसफॉर्मर में बड़ी तकनीकी खराबी आ गई, जिसकी वजह से शाम 6:30 बजे आपातकालीन शटडाउन करना पड़ा।हालांकि, बयान में यह नहीं बताया गया कि सामान्य जलापूर्ति कब तक बहाल हो पाएगी।

बयान में कहा गया, 'बिजली बंद होने की वजह से धाबेजी पंपिंग स्टेशन की 21 में से 10 पंपिंग यूनिट्स बंद हो गईं। इससे शहर की पानी आपूर्ति प्रणाली पर बड़ा असर पड़ा और कराची के कई इलाकों में पानी की सप्लाई बाधित हो गई।'

केडब्ल्यूएससी ने आगे कहा, 'के-इलेक्ट्रिक ने शुरुआत में बताया था कि बिजली कटौती करीब एक घंटे तक रहेगी, लेकिन अब तक बिजली पूरी तरह बहाल होने का कोई निश्चित समय नहीं बताया गया है। केडब्ल्यूएससी लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए है और बिजली जल्द बहाल कराने तथा पानी की सप्लाई सामान्य करने के लिए के-इलेक्ट्रिक के अधिकारियों के संपर्क में है।'ईद के दौरान भी कराची के लोगों को पानी खरीदना पड़ा ताकि वे धार्मिक स्नान, पशुओं की देखभाल और सफाई जैसे जरूरी काम कर सकें।